मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 24 मई 2025

संवत 2082, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष-11 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 259 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ डिजिटल दुनिया में खोता बचपन

रोहित-कोहली के बिना होगी मुश्किल: गंभीर ◂◂ 6

लातेहार में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

10 लाख के इनामी नक्सली पप्पू लोहरा सहित 2 मारे गये, एक जिंदा गिरफ्तार

संवाददाता

लातेहार: जिले में शनिवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो माओवादी मार गिराए गए। मरने वालों में जेजेएमपी सुप्रीमो पप्पू लोहरा भी शामिल है, जिस पर 10 लाख रुपये का इनाम था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लातेहार पुलिस थाने के अंतर्गत जंगल में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और झारखंड पुलिस की ओर से संयुक्त रूप से चलाए गए नक्सल विरोधी अभियान के दौरान माओवादी से अलग हुए झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के प्रमुख लोहरा और उसके सहयोगी को ढेर कर दिया गया।

पप्पू लोहारा और प्रभात गंझू को मार गिरायाः उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने झारखंड के

लातेहार जिले में 10 लाख रुपये के इनाम वाले पप्पू लोहारा और 5 लाख रुपये के इनाम वाले प्रभात गंझू को मार गिराया। उन्होंने बताया कि दोनों ही झारखंड जन मुक्ति परिषद के खूंखार नक्सली संगठन के नेता थे। समूह का एक अन्य खूंखार सदस्य घायल भी हुआ है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से एक इंसास राइफल बरामद की गई है।

जंगल में होने की सूचना मिलने पर कार्रवाईः पलामू के डीआईजी वाईएस रमेश ने बताया कि सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो माओवादी मारे गए। पुलिस ने उनके शव बरामद कर लिए हैं। लोहरा और उसके साथियों के जंगल में होने की सूचना मिलने पर लातेहार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव के नेतृत्व में सुरक्षाकर्मियों की एक टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया था।

दोनों ओर से जमकर हुई गोलीबारीः पुलिस ने बताया कि जैसे ही माओवादियों ने सुरक्षाकर्मियों को देखा, उन्होंने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की। लोहरा और जेजेएमपी के एक अन्य सदस्य मुठभेड़ में मारे गए। उसकी पहचान प्रभात गंझू के रूप में हुई है।

तय समय से 8 दिन पहले केरल पहुंचा मानसून

16 साल में सबसे जल्दी, 28 राज्यों में आंधी-बारिश और गर्मी का रेड अलर्ट

नई दिल्ली: मानसून शनिवार को केरल पहुंच गया। यह अपने तय समय 8 दिन पहले पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक, 16 साल में ऐसा पहली बार हुआ जब मानसून इतनी जल्दी आया है। 2024 में यह 30 मई को केरल पहुंचा था।

मानसून चार दिन से देश से करीब 40-50 किलोमीटर दूर अटका था और शुक्रवार शाम आगे बढ़ा। इसके आज ही तमिलनाडु और कर्नाटक के कई इलाकों में भी पहुंचने की संभावना है। एक हफ्ते में देश के दक्षिणी और पूर्वोत्तर राज्यों जबकि 4 जून तक मध्य और पूर्वी भारत को कवर कर सकता है।

आम तौर पर मानसून 1 जून को केरल पहुंचता है और 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। यह 17 सितंबर के आसपास वापस लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मानसून की शुरूआत

की तारीख और सीजन के दौरान कुल बारिश के बीच कोई संबंध नहीं है। इसके जल्दी या देर से पहुंचने का मतलब यह नहीं है कि यह देश के अन्य हिस्सों को भी उसी तरह कवर करेगा।

खूंटी पहुंचा हाथियों का झुंड

खूंटी: जिले के बेलाहाथी गांव में आज सुबह से हाथियों का झुंड सड़क किनारे झाड़ी नुमा जंगल में डेरा जमाए है। जिसकी खबर मिलने पर गांव और आस पास के लोग काफी संख्या में हाथी देखने पहुंच रहे हैं। वनकर्मियों ने बताया कि 5 से 7 हाथियों का झुंड कर्रा के डुंडीगड़ा जंगल के पास था। जहां से दो हाथी खूंटी के बेलाहाथी गांव में आ गया है। उन्होंने बताया कि हो सकता है रांची टीम द्वारा हाथियों को खदेड़ा गया होगा, जिस कारण दो हाथी झुंड से बिछड़ कर खूंटी के बेलाहाथी के इस क्षेत्र में आ गये हैं। यह कोई जंगली क्षेत्र नहीं है। इस कारण सूचना मिले पर हमारी पूरी टीम सुबह से ही यहां पहुंच गयी है और लोगों को यह से दूर किया जा रहा है। शाम में हाथियों को सुरक्षित स्थान पर खदेड़ा जाएगा।

जमीन विवाद में भाई की गला रेतकर हत्या

चाईबासा: जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जहां जमीन विवाद में एक मासूम की बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जुगीदारू गांव का है। बताया जा रहा है कि चाचा-भतीजे में काफी साल से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसके चलते आरोपी चंद्रमोहन बानसिंह (भतीजा) ने चाचा के 12 वर्षीय बेटे अर्जुन बानसिंह की बेरहमी से हत्या कर दी। मामले में मृतक के पिता का कहना है कि उनका बेटा और बेटी घर से कुछ दूर स्थित पेड़ से गिरे आम चुनने गए थे। इस दौरान दोनों भाई-बहन पेड़ से गिरे आम चुन रहे थे। तभी आरोपी चंद्रमोहन बानसिंह वहां आया। उसने अर्जुन बानसिंह को पकड़ा और गला रेत कर हत्या कर दी। यह देख बहन भाग गई और घर जाकर उसने परिजनों को जानकारी दी। जानकारी मिलते ही परिजन दौड़े-दौड़े आम के पेड़ के नीचे गए तो देखा कि बेटा वहां लहूलुहान पड़ा था।

पति- पत्नी सहित दो नाबालिग बेटियों ने की आत्महत्या

टाटा स्टील में मैनेजर था युवक, कैंसर से था पीड़ित

जमशेदपुर: जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां टाटा स्टील गम्हरिया के सीनियर मैनेजर 40 वर्षीय कृष्ण कुमार ने पत्नी और दो बच्चों के साथ आत्महत्या कर ली। कैंसर का मरीज था कृष्ण कुमार। चारों के शव शुक्रवार की रात घर में फंदे से लटकते मिले। घटना का पता तब चला, जब पड़ोसियों ने बंद कमरे से दुर्गंध आने की सूचना पुलिस को दी और शव निकाले गए।

कृष्ण कुमार मुंबई से कैंसर का इलाज कराकर हाल ही में लौटे थे। उन्हें नियमित कीमोथेरेपी लेनी थी, लेकिन बुधवार के बाद से वे आदित्यपुर के चित्रगुप्त नगर स्थित घर से निकले ही नहीं। मृतकों में कृष्ण कुमार, पत्नी डोली, 13 वर्षीया पुत्री पूजा और छह वर्षीया मैया शामिल हैं। शुक्रवार की रात करीब 10 बजे चारों के शव एक ही कमरे में फंदे से अगल-बगल लटके हुए थे।

मृतक के पिता शोभिंदो तिवारी ने बताया कि उनके पुत्र कृष्ण कुमार टाटा स्टील में सीनियर मैनेजर हैं। उन्हें कैंसर की बीमारी थी। पुत्रवधू डोली देवी के कहने पर अपने पुत्र को फ्लाइट से मुंबई कैंसर का इलाज कराने लेकर गए थे। वहां चिकित्सकों ने बताया कि कीमोथेरेपी करानी होगी। यह सुविधा जमशेदपुर में भी उपलब्ध है। उसके बाद फ्लाइट से ही पुत्र को लेकर जमशेदपुर पहुंचे। यहां उन्हें कीमोथेरेपी के लिए भर्ती होना था, इसके लिए उन्होंने कंपनी में आवेदन भी दिया था। इस बीच गुरुवार रात से ही बेटे का पूरा परिवार घर से बाहर नहीं निकला तो इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। पड़ोसियों का कहना है कि कैंसर होने के बाद से ही पूरा परिवार अवसाद में चला गया था। मुम्बई में बताया गया था कि उन्हें थर्ड स्टेज का कैंसर है। जब से बेटा मुम्बई से लौटकर आया था, तब से पूरे परिवार ने किसी से भी बातचीत बंद कर दी थी। अंतिम बार उन्हें बुधवार की शाम देखा गया था। उसके बाद से ही उनके कमरा बंद था। दरवाजा तोड़ने के बाद पुलिस की टीम ने फोरेंसिक टीम को बुलाया।

राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ीं, कोर्ट ने गैर-जमानती वारंट किया जारी

26 जून को पेश होने का आदेश

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कानूनी मुश्किलें बढ़ गई हैं। झारखंड के चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करते हुए उन्हें 26 जून 2025 को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का सख्त आदेश दिया है। अदालत ने राहुल गांधी के वकील द्वारा दायर पेशी से छूट की अर्जी को खारिज कर दिया।

: यह मामला वर्ष 2018 में राहुल गांधी द्वारा दिए गए एक राजनीतिक भाषण से जुड़ा है। 28 मार्च 2018 को कांग्रेस के एक अधिवेशन के दौरान राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ तीखे और कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। इस भाषण को लेकर भाजपा नेता प्रताप कटियार ने 9 जुलाई 2018 को चाईबासा के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। मामला बाद में झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर 20 फरवरी 2020 को रांची स्थित एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में स्थानांतरित किया गया था। बाद में

जब चाईबासा में एमपी-एमएलए कोर्ट की स्थापना हुई, तो केस को वहां स्थानांतरित कर दिया गया।

अदालत द्वारा समन जारी किए जाने के बावजूद राहुल गांधी पेश नहीं हुए। इसके चलते पहले उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी हुआ, लेकिन उपस्थिति नहीं देने पर अब गैर-जमानती वारंट जारी किया गया है। राहुल गांधी के वकील द्वारा झारखंड हाईकोर्ट में इस वारंट पर रोक की मांग की गई थी, जिसे 20 मार्च 2024 को खारिज कर दिया गया। इसके बाद चाईबासा कोर्ट में व्यक्तिगत पेशी से छूट की याचिका भी नामंजूर हो गई। अब कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए गैर-जमानती वारंट जारी किया है और राहुल गांधी को 26 जून 2025 को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। अगर वे इस बार भी अदालत में हाजिर नहीं होते, तो उनके खिलाफ और भी सख्त कार्रवाई हो सकती है।

युवती ने की आत्महत्या, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी युवती

पलामू: जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक नवविवाहिता ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मामला जिले के नावाजयपुर थाना क्षेत्र के धागरडीहा गांव का है। बताया जा रहा है कि ऋषिका नामक युवती की शादी 17 मई को धागरडीहा निवासी अनुज कुमार सिन्हा से हुई थी। बीते गुरुवार रात को ऋषिका के परिजनों को खबर मिली कि उनकी बेटी ने फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। वहीं, मामले में मृतका के परिजनों ने दामाद और ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है। बता दें कि ऋषिका दिल्ली में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत थीं।

इंग्लैंड दौरे के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान

शुभमन गिल बने भारत के टेस्ट कप्तान

पंत उप-कप्तान, करुण नायर-शार्दूल ठाकुर की वापसी

नई दिल्ली : लंबे इंतजार के बाद इंग्लैंड दौरे पर खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। इसके साथ ही यह भी साफ हो गया है कि आगामी दौरे पर भारतीय टीम की कमान कौन संभालेगा। हेड कोच गौतम गंभीर और चयनकर्ताओं ने युवा और होनहार बल्लेबाज शुभमन गिल पर भरोसा जताते हुए उन्हें टीम की कप्तानी सौंपी है। गिल अंडर-19 और आईपीएल जैसे टूर्नामेंटो में अपनी कप्तानी की क्षमता दिखा चुके हैं। वहीं, उपकप्तानी की जिम्मेदारी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के कंधों पर रखी गई है।

साई सुदर्शन को मिला मौका : घरेलू क्रिकेट में तमिलनाडु की

तरफ से शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन को भी इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। साई सुदर्शन इस समय आईपीएल में शिरकत कर रहे हैं, जहाँ उन्होंने अपने बेहतरीन खेल से सभी को प्रभावित किया है। 23 वर्षीय इस बल्लेबाज का प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट में भी सराहनीय रहा है। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 29 मैचों की 49 पारियों में 39.93 की औसत से 1957 रन बनाए हैं। इसके अलावा, लिस्ट ए क्रिकेट की 27 पारियों में 60.69 की औसत से 1396 रन और टी20 की 57 पारियों में 43.00 की औसत से 2150 रन बनाए हैं।

करुण नायर की टीम में वापसी: अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर भी इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में वापसी करने में कामयाब रहे हैं। हाल के दिनों में उनका प्रदर्शन काबिलेतारीफ रहा है। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने सूझबूझ के साथ बल्लेबाजी करते हुए अहम योगदान दिया है। यह पहली बार नहीं है जब 33 वर्षीय करुण नायर को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वह पहले भी टीम इंडिया का हिस्सा रह चुके हैं, लेकिन 2017 के बाद से वह टीम से बाहर चल रहे थे। उनकी वापसी टीम की बल्लेबाजी को और मजबूती प्रदान कर सकती है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की 18 सदस्यीय टीम : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान/विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साईं सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

न्यूज ब्रीफ

जनता दरबार में आवेदन की हुई समीक्षा

मुरी : प्रखंड में विधायक अमित महतो की उपस्थिति में प्रत्येक पंचायत में पड़े आवेदन की समीक्षा की गई। ज्यादा तर जमीन संबंधी मामलों जो पेंडिंग पड़ा था उसको लेकर विधायक ने संबंधित अधिकारी भुनेश्वर को फटकार लगाई।इसी तरह राशनकार्ड में नाम जोड़ने,माईया योजना आदि को लेकर भी समाधान को लेकर अधिकारियों से पूछताछ की गई। मौके पर प्रखंड के सभी अधिकारी, पदाधिकारी,स्टाफ, पुलिस पदाधिकारी एवं विभिन्न पंचायतों में दिए आवेदन कर्ता मौजूद थे।

चिराग नर्सरी स्कूल में तीन दिवसीय समर कैंप

मुरी: चिराग नर्सरी स्कूल मुरी में तीन दिवसीय समर कैंप 22 से शुरू होकर 24 मई तक चला। समर कैम्प में खेलकूद के अलावा दौड़,रेस, क्रिकेट और टीम गेम्स जैसे खेलों के माध्यम से बच्चों को सामूहिकता, अनुशासन और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व से परिचित कराया गया ।स्कूल निदेशक दिनेश कुमार महतो ने कहा कि कला और संस्कृति के क्षेत्र में बच्चों को पारंपरिक कलाओं जैसे पेपर मैश, मिट्टी कला, मेंहदी, रंगोली,क्वीज प्रतियोगिता, आर्ट,लोकगीत, लोकनृत्य और रंगमंच जैसी गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला। इन सत्रों का उद्देश्य उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना और सांस्कृतिक विरासत से जोड़े रखना है।समर कैंप के पहले दिन विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में धीरेन्द्र नाथ महतो,सरस्वती,रोशनी, बबीता,बिनिता, सुनीता, रीता, सुष्मिता, रीतू,सुमन ,काजल,पुष्पा, मनीषा, कल्याणी, अंजू बाला,ज्योति एवं मून बनर्जी का योगदान सराहनीय रहा।

स्कॉर्पियो की चपेट में आने से बाइक चालक की मौत

चतरा: जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुर गांव के समीप स्कार्पियो की चपेट में आने से बाइक चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना शुक्रवार की बताई जाती है। मृतक की पहचान सिमरिया थाना क्षेत्र के जबड़ा गांव निवासी संतोष प्रजापति पिता अजोधी प्रजापति (32 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वह बाइक पर सवार होकर हजारीबाग जा रहे थे।इसी क्रम में सामने से स्कॉर्पियो वाले ने चकमा देते हुए बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी और भाग गया। मृतक को सदर अस्पताल चतरा में लाया गया।जहां उपाधीक्षक मनीष लाल ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों पुलिस प्रशासन से स्कॉर्पियो बरामद कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

मां ने शराब पीने पर डांटा तो युवक ने लगाई फांसी , मौत

चतरा : मां ने बेटे को शराब पीने से मना किया तो बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना शहर में छठ तालाब की है। मृतक की पहचान बिनोद भुइंया के रूप में हुई है। बताया जाता है कि गुरुवार की रात बिनोद शराब पीकर घर पहुंचा था। शराब के नशे में धूत बिनोद अपने मां पिता के साथ लड़ाई करने लगा। मां ने बिनोद को फटकार लगाते हुए बेटे को घर से बाहर कर दिया। बिनोद देर रात तक घर के बाहर रहा और फिर अपने कमरे में गया और फांसी के फंदे से लटक कर आत्महत्या कर लिया। परिजनों को घटना की सूचना शुक्रवार की सुबह मिली। इसके बाद परिजनों ने सदर थाना पुलिस को घटना की जानकारी दिया। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में करते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया है।

दो अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त, मचा हड़कंप

चतराः प्रखंड प्रशासन के लाख प्रयास के बाद भी हंटरगंज में बालू की तस्करी अनवरत जारी है। हंटरगंज अंचलाधिकारी अरुण कुमार मुंडा व हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने शुक्रवार अहले सुबह छापेमारी अभियान चलाकर अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टरों को जब्त किया।उक्त कारवाई हंटरगंज - औरु गेरुआ मुख्य पथ पर हंटरगंज नहर पास दो ट्रैक्टर पकड़कर पुलिस थाने ले आई । वही अंचला अधिकारी अरुण मुंडा ने आगे के करवाई के लिए जिला खनन पदाधिकारी को अनुशंसा किया है ।हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि किसी भी हाल में अवैध परिवहन नहीं करने दी जाएगी । अवैध बालू परिवहन पर कठोर करवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि एक सप्ताह से बालू परिवहन पर पुलिस लगातार करवाई करते हुए कई वाहनों को जब्त किया है । पुलिस के इस करवाई से अवैध बालू तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है ।

सीसीएल ने सीएसआर की परियोजना नन्हा सा दिल का किया शुभारंभ

हर बच्चे को स्वस्थ दिल के साथ जीवन शुरू करने का अधिकार: निलेंदु सिंह

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह के करकमलों द्वारा एक महत्वकांक्षी परियोजना नन्हा सा दिल का शुभारंभ हुआ। इस दौरान निदेशक, मानव संसाधन, हर्षनाथ मिश्र एवं सीसीएल के कई विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे। परियोजना की शुरूआत करते हुए सीसीएल सीएमडी एनके सिंह ने कहा कि हर बच्चे को स्वस्थ दिल के साथ जीवन शुरू करने का अधिकार है, सीसीएल परिवार जन्मजात हृदय रोग के प्रति जागरूकता और उपचार के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और उस दिशा में यह परियोजना एक सार्थक पहल है।

इस परियोजना की शुरूआत रामगढ़ जिले के सात महीने के बच्चे अभिराज महतो और आठ वर्षीय बच्ची बिदिया कुमारी की स्क्रीनिंग के साथ की गई, जो अपने माता जी के साथ कार्यक्रम में उपस्थित थे । इस परियोजना के तहत सीसीएल द्वारा प्रदत

एक सुसज्जित मोबाइल वैन के माध्यम से गांव गांव में बच्चों की निःशुल्क स्क्रीनिंग और निदान किया जाएगा। जिन बच्चों में सीएचडी की पुष्टि होती है, उनका इलाज पूरी तरह से निःशुल्क किया जाएगा। इसके अलावा इलाज के बाद तीन बार तक, मरीज के साथ परिजनों को चेकअप के लिए हॉस्पिटल आने-जाने तक का खर्च, सीसीएल के द्वारा वहन किया जाएगा।

आपको बता दें कि सीसीएल के द्वारा समय-समय पर ऐसे पहल, सीएसआर के तहत किए जाते हैं, जिससे हितधारकों, श्रमिकों और ग्रामीणों को सीधा लाभ मिल सके।वहीं, सीसीएल सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह और निदेशक मानव संसाधन हर्ष नाथ मिश्र ने नन्हा सा दिल परियोजना के तहत गांव-गांव तक चलने वाली जांच वैन का विधिवत पूजा अर्चना कर और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के साथ मिलकर, सीसीएल के इस महत्वाकांक्षी सीएसआर परियोजना को शुरू किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य झारखंड के पांच जिलों लातेहार, हजारीबाग, रामगढ़, गिरिडीह और पलामू जिलों में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की मुफ्त जांच, निदान और उपचार प्रदान करना है।

ट्रक की चपेट में आया बाइक, बाल बाल बचा, दोनों वाहन क्षतिग्रस्त

मेट्रो रेज संवाददाता

मुरहू : थाना क्षेत्र के बिरसा कॉम्प्लेक्स के पास आज सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। सीमेंट लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी बाइक को चपेट में लेते हुए कटहल के पेड़ से टकरा गया। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि आज सबेरे सुरेंद्र कुमार अपनी बाईक जे एच 01 सी वाई 8034 से चाय पीने मुरहू के बिरसा कॉम्प्लेक्स के पास आया था। और अपनी बाईक सड़क किनारे खड़ी कर चाय पीने गया। उसी समय चाईबासा की और से आ रही सीमेंट लदी ट्रक जे एच 02 ए डब्लू 9427 काफी तेज गति से आई और मोड़ के पास संतुलन खोकर, खड़ी बाइक को अपनी चपेट में लेते हुए सीधे कटहल के पेड़ में जा घुसी। जिससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में किसी को कोई

चोट नहीं आई है। मुरहू पुलिस ट्रक के ड्राइवर को पूछ ताछ के लिए अपने साथ ले गई है। बाइक सवार का कहना है कि ट्रक ड्राइवर नींद में होगा जिस कारण ये घटना घटी है। जिसमें मेरी जान बाल बाल बची। इस हादसे में किसी की जान नहीं गई है। लोगो ने बताया कि जब ये घटना घटी है उस वक्त काफी लोग मॉर्निंग वॉक पर निकलते है, पर किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ ये बहुत बड़ी बात है। ट्रक ड्राइवर को गाड़ी ध्यान से चलना चाहिए। ट्रक चालक प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि वह खरसंवा से सीमेंट लोड कर खलारी जा रहा था। सुबह करीब साढ़े छह बजे अचानक एक बाइक चालक सामने आ गया। उसे बचाने के प्रयास में उन्होंने ट्रक की स्टेयरिंग दाईं ओर मोड़ दी। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी एक अन्य बाइक ट्रक की चपेट में आ गई और ट्रक सीधे जाकर कटहल के पेड़ से टकरा गया।

इंदुमति टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन

सीबीएसई 10 वीं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र - छात्राओं को किया गया सम्मानित

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा: इंदुमती टिबड़ेबाल सरस्वती विद्या मंदिर में शुक्रवार को मेधावी छात्र अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सीबीएसई द्वारा आयोजित दशम बोर्ड की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के साथ साथ विद्या विकास समिति द्वारा आयोजित 36वा प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता में क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन समिति के संरक्षक डॉ विजय अग्रवाल, सचिव संजय सिन्हा , सदस्य मनोज सिंह, रणजीत अग्रवाल व

प्राचार्य रमेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद सरस्वती वंदना व स्वागत गीत को प्रस्तुत किया गया। स्कूल के 72 विद्यार्थियो ने सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में शामिल हुए था। टॉप 10 में रहने वाले बच्चों को स्मार्ट वॉच, प्रशस्ति पत्र तथा अन्य सभी उतीर्ण बच्चों को प्रोजेक्ट फाइल देकर सम्मानित किया गया। बच्चों के अभिभावकों को भी अंग वस्त्र व श्रीमद्भागवत गीता भेट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद 36 वां प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। संरक्षक डॉ विजय अग्रवाल ने विद्यार्थियो के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आज विद्या भारती विद्यालय के बच्चे हर क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस विद्यालय के बच्चे पढ़ाई और खेल दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और विद्या भारती का मान बढ़ाया है। मंच का संचालन छात्रा अदिती कुमारी और अनामिका कुमारी ने किया।

श्रमिकों के बीच चलाया गया जागरूकता अभियान

चतराः जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव के निदेशानुसार पीएलवी मिथलेश कुमार के द्वारा हंटरगंज प्रखंड के केदली चट्टी गांव में श्रमिकों के बीच जागरुकता अभियान चलाया गया। इस बीच मजदूरों के बीच विधिक सेवाओं के बारे में जानकारी दी और सरकार द्वारा मजदूर हित में चलायी जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही श्रम

विभाग के तहत असंगठित मजदूरों के निबंधन कराने पर मिलने वाले लाभों के बारे में चर्चा की गयी। वही जानकारी के लिए 15100 नंबर पर डायल कर जानकारी लेने की सलाह दी गई। इस मौके पर दर्जनों मजदूर मौजूद थे।

अंबा प्रसाद ने सीसीएल सीएमडी से की मुलाकात,समस्या से कराया अवगत

मेट्रो रेज संवाददाता

पिपरवार (चतरा) : बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक और कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय सचिव सह पश्चिम बंगाल चुनाव प्रभारी अंबा प्रसाद ने शुक्रवार को अपने समर्थकों के साथ सीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एनके सिंह से मुलाकात की।इस दौरान पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सीसीएल के कई क्षेत्र में व्याप्त कई ज्वलंत समस्या से उन्हें अवगत कराया।साथ ही समस्याओं के समाधान की मांग की।उन्होंने सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य,

शिक्षा, रोजगार सहित विस्थापितो के लंबित नौकरी, मुआवजा, पुर्नवास जैसी समस्या से अवगत कराया।वही समस्या सुनने के बाद सीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एनके सिंह ने इस पर सकारात्मक पहल करते हुए समस्या का समाधान करने का भरोसा दिया।इस मौके पर पूर्व विधायक अंबा प्रसाद,पूर्व विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र साव,बचरा दक्षिणी कांग्रेस पार्टी के पंचायत अध्यक्ष अनिल सोनी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

अज्ञात वाहन ने बाइक चालक को मारी टक्कर, हुई मौत

गिद्धौर (चतरा): थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुर घटेरी मोड के समीप शुक्रवार को अज्ञात वाहन ने बाइक चालक को जोरदार टक्कर मार फरार हो गया। बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दिया। सूचना मिलते ही गिद्धौर थाना से सहायक अवर निरीक्षक विद्यानंद शर्मा घटना स्थल पर पहुंचे। और घायल युवक को इलाज के लिए चतरा सदर अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में ही युवक की मौत हो गई। मृत युवक सिमरिया थाना क्षेत्र के जबड़ा गांव निवासी संतोष प्रजापति(29) पिता स्व.अयोध्या प्रजापति है।

मनरेगा कर्मियों का प्रखंड स्थानांतरण

मेट्रो रेज संवाददाता

चतराः पिछले कई वर्षों से एक ही जगह पर जमें मनरेगा कर्मियों को एक प्रखंड से दूसरे प्रखंडों में स्थानांतरित किया गया है। उपायुक्त रमेश घोलप ने मनरेगा में कार्यहीत एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से मनरेगा कर्मियों का स्थानांतरण किया है। उपायुक्त के द्वारा जारी किए गए अधिसूचना में स्थानांतरित कर्मियों को हर हाल में 28 मई तक अपने नव पदस्थापित प्रखंडों में योगदान देने का निर्देश दिया गया है। मनरेगा के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी निरंजन कुमार सिंह को लावालौंग से हंटरगंज, प्रबल प्रताप नारायण को चतरा से प्रतापपुर, विनोद कुमार गुप्ता को हंटरगंज से पत्थलगड़ा, गिद्धौर अतिरिक्त प्रभार, अजय कुमार सिंह को कुंदा से इटखोरी, मयूरहंड अतिरिक्त प्रभार, जितेंद्र कुमार को इटखोरी से टंडवा, सुबोध पासवान को टंडवा से कन्हाचट्टी, रामकुमार सिंह को गिद्धौर से चतरा, राजेश्वर कुमार को पत्थलगड़ा से सिमरिया तथा राजेश कुमार पासवान को सिमरिया से लावालौंग स्थानांतरित किया गया है। प्रखंड समन्वयक मुकेश कुमार राम को सिमरिया से हंटरगंज, मनदीप कुमार सोनी को चतरा से प्रतापपुर, कुलदीप कुमार को लावालौंग से कुंदा, मो सद्दाम को हंटरगंज से टंडवा, फरहत नाजनी को गिद्धौर से पत्थलगड़ा, प्रतिमा कुमारी को इटखोरी के अलावा मयूरहंड का अतिरिक्त प्रभार, मोनिका नाग को कान्हाचट्टी से चतरा, नजीर अख्तर को प्रतापपुर से गिद्धौर, बृजेश ओझा को टंडवा से सिमरिया स्थानांतरित किया गया है। लेखा सहायक जीवालाल महतो को टंडवा से सिमरिया, महेंद्र राणा को हंटरगंज से इटखोरी, आलोक कुमार को प्रतापपुर से चतरा, हरेंद्र कुमार को सिमरिया से हंटरगंज स्थानांतरित किया गया है। लेखापाल सह कंप्यूटर ऑपरेटर चंद्रकांत कुमार सिंह को प्रतापपुर से पत्थलगड़ा, मो फैजान को हंटरगंज से कुंदा, शिवकुमार को इटखोरी के अलावा मयूरहंड का अतिरिक्त प्रभार, नागेश्वर यादव को मयूरहंड से कन्हाचट्टी, दिलीप कुमार को कुंदा से हंटरगंज, मुकेश कुमार को पत्थलगड़ा से प्रतापपुर, आदित्य कुमार को सिमरिया के अलावा टंडवा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सहायक अभियंता मनोज कुमार को गिद्धौर से टंडवा स्थानांतरित करते हुए लावालौंग, सिमरिया व पत्थलगड़ा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जबकि आनंद प्रकाश पांडे को चतरा से गिद्धौर स्थानांतरित करते हुए इटखोरी, मयूरहंड व कान्हाचट्टी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सुधाकर को टंडवा से चतरा स्थानांतरित करते हुए प्रतापपुर कुंदा व हंटरगंज का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

मवेशी की चपेट में आने से वृद्ध घायल, इलाज के दौरान मौत

गिद्धौर(चतरा) : थाना क्षेत्र के दुवारी पंचायत अंतर्गत इंद्रा गांव में मवेशी के चपेट में आने से एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। मृत व्यक्ति द्वारी पंचायत के इंद्रा गांव निवासी बालदेव यादव उम्र 65 वर्ष है। घटना बीते गुरुवार की देर शाम की है।परिजनों ने बताया कि गुरुवार के देर शाम वृद्ध व्यक्ति मवेशी चराकर घर वापस लौट रहा था।इसी बीच दो मवेशी आपस में लड़ने लगे।इसी दौरान वृद्ध मवेशी के चपेट में आ गया।और गंभीर रूप से घायल हो गया।परिजनों ने वृद्ध को इलाज के लिए कटकमसांडी ले जा रहे थे।जाने के क्रम में ही रास्ते में मौत हो गई।मौत की खबर सुन गांव में मातम छागया।वहीं परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।मृत वृद्ध को स्थानीय श्मशान घाट बलबल में शुक्रवार को अंतिम संस्कार किया गया।

वन विभाग की लापरवाही से सड़क किनारे लगे सैंकड़ों पौधे हो रहें है बर्बाद

मेट्रो रेज संवाददाता

गिद्धौर(चतरा): प्रखंड में अचानक तेज बारिश तथा आंधी से वन विभाग की ओर से बघमरी से बांय तक सड़क किनारे लगाए गए सैकड़ों पेड़ को नुकसान हो रहा है।वन विभाग द्वारा लगाए गए पौधों को सुरक्षित रखने के लिए बांस के बनाए गेवियन भी तेज आंधी में उजड़ गया।जिसके कारण लगे पौधे को मवेशी बर्बाद कर रहे है और सड़क किनारे लगे सैकड़ों पौधा नष्ट हो रहा है। वन विभाग को लाखों का चुना लग रहा है। ऐसे में वन विभाग द्वारा गांव गांव में सड़क किनारे लगे पौधे को देख रेख के लिए वाचर भी रखा गया है। विभागीय लापरवाही के कारणर वाचर भी इसके प्रति गंभीर नहीं है।कहीं भी गेविएन को दुरुस्त नहीं किया जा रहा है।और अच्छे खासे पौधे बर्बाद हो रहे हैं।

पंगु बन गयी है राज्य की सारी संवैधानिक संस्थाएं : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता

रांची: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य की ऐसी सारी संवैधानिक संस्थाएं जो राज्य सरकार के काम काज, गड़बड़ियों, भ्रष्टाचार पर नजर रखती है, जनता की शिकायत पर सुनवाई और कार्रवाई करती है को राज्य सरकार ने पंगु बनाकर रखा है। मरांडी ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राज्य में लोकायुक्त, महिला आयोग, सूचना आयोग, उपभोक्ता फोरम जैसी महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थाओं में वर्षों से अध्यक्ष/ सदस्य के पद खाली हैं। कहीं अध्यक्ष हैं तो सदस्य नहीं, कही न अध्यक्ष हैं न सदस्य। संस्थान सिर्फ नाम मात्र का रह गया है।

मरांडी ने कहा कि ये संवैधानिक संस्थाएं जनता को न्याय दिलाने में सहायक होती हैं, सरकार को पारदर्शी और जवाबदेह बनाती है, लेकिन आज इनका पंगु रहना लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर कर रही है। मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार नेता प्रतिपक्ष नहीं होने का बहाना बनाती थी जबकि सच्चाई है कि भाजपा ने समय पर नेता चुनकर दिया है। पिछले टर्म में दो बार नेता का चयन किया गया, लेकिन परिणाम शून्य रहा। आज विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष है, लेकिन हेमंत सरकार की नियत साफ नहीं। यह सरकार अपनी नाकामियों, विफलताओं, भ्रष्टाचार को उजागर नहीं होने देना चाहती। लोग शिकायत करेंगे तो मामला संवैधानिक जांच के घेरे में आएगा, सूचनाएं मांगे जाने पर उपलब्ध कराने की बाध्यता होगी। राज्य सरकार इससे बचना चाहती है। मरांडी ने कहा कि सूचना आयुक्त का पद खाली है, महिला आयोग में 2020 से ही अध्यक्ष और सदस्य का पद खाली है, जिसमें 5000 से अधिक मामले लंबित हैं, महिलाओं को न्याय नहीं मिल रहा। यहां कर्मचारियों को वेतन तक नहीं मिल रहा। एक सफाई कर्मी की मौत भी हो चुकी है। उपभोक्ता फोरम में दर्जन भर जिले अध्यक्ष और सदस्य विहीन हैं।

मरांडी ने कहा कि लोकायुक्त के नहीं रहने से न तो कोई शिकायत दर्ज हो रही, न कोई भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई हो रही। जबकि लोकायुक्त जैसी स्वतंत्र संस्था राज्य में काम करेगी तो मंत्री, विधायक बड़े पदाधिकारी, यहां तक कि एसीबी के विरुद्ध भी गलत और पक्षपातपूर्ण कार्रवाई और जांच की शिकायत की जा सकेगी। मरांडी ने कहा कि हाइकोर्ट के निदेर्शों के बावजूद इन पदों को नहीं भरा का रहा है। इससे स्पष्ट है कि यह सरकार जानबूझकर संवैधानिक पदों पर नियुक्तियां नहीं करना चाहती है। ताकि किसी भी प्रकार के गलत काम के विरुद्ध किसी बड़ी मछली के खिलाफ स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच और दंडात्मक कार्रवाई नहीं हो। मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार संवैधानिक तरीके से बल्कि 'मुखेर कानून' चलाना चाहती है। मरांडी ने मांग किया कि अविलंब सूचना आयुक्त, महिला आयोग, लोकायुक्त जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थाओं के अध्यक्ष, सदस्यों की नियुक्ति की जाए।

गरीब व असहाय बच्चों के लिए स्कूल बनायेगा भारतीय एकता कमेटी

संवाददाता

रांची: राज्य सरकार से रजिस्टर्ड सामाजिक संस्था भारतीय एकता कमेटी रांची के तत्वावधान में गरीब व असहाय बच्चों का स्कूल चौथे तल्ले तक बनाया जाएगा। जिसमें गरीब बच्चो को निशुल्क शिक्षा और निशुल्क पठन-पाठन सामग्री दी जायेगी। स्कूल में चेंबर बनाकर डॉक्टर के बैठने की व्यवस्था भी की जायेगी। जहां बीमार व गरीब लोगों को निशुल्क चिकित्सा और दवा देने की व्यवस्था होगी। साथ में मैट्रिक कोचिंग सेंटर, इंग्लिश स्पोकन क्लास और लड़कियों के लिए सिलाई ,कढ़ाई व बुनाई सेंटर भी चलाया जाएगा। भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि लगभग 20 लाख रुपया इसमें खर्च होगा। सड़क से 20 फीट अंदर यह स्कूल बनाने का निर्णय लिया गया है। इस शुभ कार्य को जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा । अतिक्रमण से बहुत दूर यह स्कूल बनाया जा रहा है किसी को भी कोई तकलीफ या परेशानी नहीं होगी।

तीन दिवसीय समर कैंप का हुआ समापन

रांचीः वात्सल्य किड्स स्कूल जय प्रकाश नगर,रातू रोड रांची मे तीन दिवसीय(21 से 23 मई तक) समर कैंप का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय इस समर कैंप मे विशिष्ठ अतिथि के तौर पर डीएवी शिक्षा दीप स्कूल के निदेशक शिवनंदन पाठक,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश,छात्र क्लब चिकित्सक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,वरीय संरक्षक भारत विभूषण डॉ.राजेंद्र कुमार हाजरा की उपस्थिति रही।

समर कैंप में अंश कुमार,देव कुमार,पार्थ सहल,गर्व सहल, विराज शर्मा सहित 16 अन्य विद्यार्थी ने झूला,टब बाथ स्विमिंग,नृत्यगान,पेंटिंग, साइकिलिंग,योग आदि आदि का भरपूर आनंद लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य आलोक कुमार ने किया।

मौके पर शिवनंदन पाठक ने कहा ऐसे कार्यक्रम से बच्चों में मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है।डॉक्टर राजेंद्र कुमार हाजरा ने बच्चों को खान पान, रहन सहन एवं स्वास्थ्य संबंधित टिप्स दिए वहीं शिव किशोर शर्मा ने कहा ऐसे कार्यक्रम से बच्चों मे उत्साह एवं मनोबल बढ़ता है।इस कैंप को सफल बनाने मे मुख्यरूप से प्रवक्ता कुणाल कौशल सहित शिखा दुबे,नेहा शर्मा,सीमा मिश्रा,दिव्या साहू,शीतल शर्मा,रविता कुमारी,काउंसलर गिन्नी टेहरी एवं अन्य विद्यालय कर्मचारियों का शत-प्रतिशत योगदान दिया। विशिष्ठ अतिथियों द्वारा बच्चों के बीच प्रमाण पत्र वितरित कर कार्यक्रम की समापन हुई। विद्यालय की उप-प्रधानाचार्य सुनीता मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

रामलला पूजा समिति की बैठक

पिछली बार की तरह इस बार भी पूजा भव्य रूप से मनाने का निर्णय

रांची: रामलला पूजा समिति, रांची के सानिध्य में आज मेफेयर बैंक्विट हॉल, धुर्वा में पूजा समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष अशोक चौधरी ने की । बैठक के स्वागताध्यक्ष व समिति के महामंत्री कुणाल अजमानी ने आए हुए सभी सदस्यों का स्वागत व अभिनंदन करते हुए बताया कि श्री रामलला पूजा समिति के सानिध्य में विगत वर्ष जिस तन, मन, धन के साथ आयोजन को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दिया था । इस बार भी हम पूरी भव्यता के साथ दुर्गा पूजा का आयोजन करने जा रहे है। पूर्व में दुर्गा पूजा पंडाल में श्री राम मंदिर के प्रारूप को लोगों ने खूब सराहा।

पांच राज्यों से श्री राम मंदिर के पूजा पंडाल के प्रारूप को देखने के लिए लोग लाखो की संख्या में पहुँचे थे।

मां भवानी के भक्तों के द्वारा मिले अपार समर्थन और सहयोग के लिए हम सभी दर्शनार्थियों का स्वागत व आभार प्रकट करते हैं।आयोजन समिति के लिए गौरवान्वित होने की बात है की 25 लाख से भी ज्यादा श्रद्धालु भक्त पंडाल में आकर मां भवानी के दर्शन किये। यह भीड़ अबतक की सबसे बड़ी भीड़ रही। रांची के कई समाचार पत्रों ने पंडाल की सुंदरता ,भव्यता को अब तक के सबसे बेस्ट पंडाल की श्रेणी में लाकर हमारे मान सम्मान को बढ़ाते हुए हमें गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान किया। यह आप सदस्यों की मेहनत का प्रतिफल है।

सभा में जो भी सुझाव आएंगे हम उसे अमल करते हुए इस बार भी बड़े ही धूमधाम और सभ्यता के साथ दुर्गा पूजा का आयोजन आप सभी लोगों के सहयोग से करने जा रहे हैं इस बार के आयोजन में माता के भक्तों की सुविधा के लिए आये हुए सुझावों को अमल कर पंडाल के दर्शन की व्यवस्था को ओर भी सुलभ बनाने का कार्य करेंगे। ल्फ्एउ और धुर्वा के सभी क्षेत्रवासियों का हमें भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ इस सफलता का श्रेय आपको भी जाता है ।

इस अवसर पर विनय जायसवाल, कमल ठाकुर, शोभा यादव, नीलम चौधरी ,कृष्णा महतो, उमेश यादव, धर्मेंद्र तिवारी, डॉ दिलीप कुमार सोनी, रवि कुमार टुंना, रोहित शारदा ,रोहित पांडेय, सुनील जायसवाल सहित कई विशिष्ट लोगों ने अपने अपने सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि रांची से यहां आकर दुर्गा पूजा के आयोजन को भव्य रूप देना आपने जो बीड़ा उठाया वह सफल हुआ पूजा के इस आयोजन की भव्यता सुंदरता का दर्शन हम लोग रांची जाकर देखते थे जिसे आपने इस छेत्र में किया।उन्होंने कहा कि एचईसी और धुर्वा के लोगों को भी आयोजन से जोड़ने का अवसर दिया जायं वे भी समिति को अपनी सेवा अर्पित करना चाहते हैं।दुर्गा पूजा आयोजन की तैयारी के लिए कई लोगों से सुझाव भी मांगे गए ।चर्चा और परीचर्चा के बीच में कई लोगों ने अपने सुझाव रखें पूजा को वृहद बनाने में अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

मुख्यमंत्री से मिले ईस्टर्न कमांड के वरिष्ठ अधिकारी

डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता में शामिल होने का दिया निमंत्रण

संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मेजर जनरल अरुण राजेश मोगे (विशिष्ट सेवा मेडल) ईस्टर्न कमांड हेडक्वार्टर-सह- डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता कमिटी के वाइस चेयरमैन एवं मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर (विशिष्ट सेवा मेडल) जीओसी -23 इन्फैंट्री डिवीजन ने शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को जमशेदपुर में जुलाई माह में आयोजित होने वाले डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। ज्ञातव्य है कि डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट, जिसे आमतौर पर डूरंड कप के नाम से जाना जाता है, भारत में एक वार्षिक घरेलू फुटबॉल प्रतियोगिता है जो पहली बार 1888 में शिमला में आयोजित की गई थी।

स्वस्थ वातावरण के लिए एक हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

रांचीः हरा भरा हो शहर अपना की संकल्प के साथ मरहबा ह्यूमन सोसाइटी ने अपने शहर रांची में एक हजार पौधा लगाने का लक्ष्य रखा है। जिसकी शुरूआत जून महीने से होगी। यह निर्णय मरहबा ह्यूमन सोसाइटी की बैठक में सभी मेंबरान की मौजूदगी में तय हुआ । मौके पर सचिव नेहाल अहमद ने कहा कि स्वास्थ्य जीवन के लिए स्वस्थ वातावरण का होना जरूरी है। चारों तरफ बड़े- बड़े भवनों की जाल,पेड़ पौधों की कटाई शहर से हरियाली खत्म कर रही है। जिस कारण प्रदूषित वायु सेहत में खराब असर डालते हैं और अपना शहर जब हरा भरा होगा तब हमे स्वस्थ वातावरण मिलेगा ,इसके अलावा सोसाइटी नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान भी शुरू करने का संकल्प लिया है। मरहबा ह्यूमन सोसाइटी दूसरे संस्थाओं से भी अपील करती है कि अपने- अपने माध्यम से पौधा लगाने का प्रयास करें और अपनी रांची को हरा भरा बनाएं।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक (सिग्नल व दूरसंचार) उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्यों के लिये दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या:** म.रे.प्र. (सिग व दूरसंचार)-07-2025-26; **कार्य का नाम:** अजमेर मंडल- अजमेर मंडल के डीआरएम कार्यालय, मारवाड़ जंक्शन और भीलवाड़ा के पुराने टेलीफोन एक्सचेंजो को आयु एवं स्थिति के आधार पर आईपी आधारित पीएबीएक्स से प्रतिस्थापित करना। (एरिट्रिक सॉफ्टवेयर का उपयोग करके)" **अनुमानित लागत:** रुपये 20948848.22; **बयाना राशि:** रुपये 254700.00; ई निविदाये खोलने की तिथि व समय दिनांक 16.06.2025 को 15.30 बजे उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट का पता www.ireps.gov.in 600-AN/25

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

भक्तिभाव व श्रद्धा के साथ मनायी गयी अपरा एकादशी

संवाददाता

रांची: श्याम तेरे भरोसे मेरा परिवार है , तू ही मेरी नाव मांझी तू ही पतवार है भजनों की लय पर भक्तगण भाव विभोर हुए । अवसर था अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में अपरा एकादशी का। उत्सव अत्यन्त भक्तिभाव व श्रद्धा के साथ मनाया गया । विजयदशमी का उल्लास लिए भक्तगण प्रातः काल से ही श्री श्याम प्रभु के दर्शन के लिए उमड़ पड़े । प्रातकाल में श्री श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर विभिन्न प्रकार के फूलों जैसे गुलाब , जूही , बेला, मोगरा , गैंदा व तुलसी दल से मनभावन श्रृंगार किया गया । साथ ही मन्दिर में विराजमान शिव परिवार एवं बजरंगबली का भी इस अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया । रात्रि 9 बजे श्री श्याम देव के जयकारों के बीच ज्योत प्रज्वलित कर भक्तगण कतारब्रध होकर ज्योत में आहुति प्रदान कर मंगलमय जीवन की कामना कर रहे थे । श्री श्याम मण्डल के सदस्यों द्वारा संगीतमय संकीर्तन प्रारम्भ कर भजनों की अमृतवर्षा की गई ।

श्याम नाम मुख से बोल भाई काम आवेगो.. इत्यादि भजनों की लय पर देर रात तक भक्तगण श्री श्याम प्रभु को रिझाते रहे । इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान - फल - मेवा का भोग अर्पित किया गया ।

रात्रि 12 बजे महाआरती व प्रशाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया । आज के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश सारस्वत , ओम जोशी , चन्द्र प्रकाश बागला , धीरज बंका , विवेक ढांढनीयाँ , विकाश पाडिया , ज्ञानप्रकाश बगला , प्रियांश पोद्दार , अजय शंकर साबू , प्रदीप अग्रवाल , जीतेश अग्रवाल एवम राजेश सारस्वत का विशेष सहयोग रहा ।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,एन०आर०ई०पी०,खूँटी

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-1 वर्ष 2025-26

1. विभाग का नाम :-एन०आर०ई०पी०,खूँटी
2. विज्ञापन दाता का नाम :-कार्यपालक अभियंता,एन०आर०ई०पी०,खूँटी
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :-30.05.2025 (1.00 बजे अपराह्न तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय :-31.05.2025(1.00 बजे अपराह्न तक)
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :-02.06.2025(1.00 बजे अपराह्न)
6. परिमाण विपत्र बिक्री एवं निविदा प्राप्ति का स्थान :- कार्यपालक अभियंता,एन०आर०ई०पी०,खूँटी कार्यालय
7. निविदा खोलने का स्थान :- कार्यपालक अभियंता,एन०आर०ई०पी०,खूँटी कार्यालय
8. कार्य की विस्तृत विवरणी :- कियोस्क का निर्माण कार्य

क्र.	[illegible]	मौजा	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा	जमीन की किस्म	प्राक्कलित राशि (रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र की राशि (रू० में)	कार्य समाप्ति अवधि
1	2		5	6	7	8	9	10	11	12
1.	तोरपा	तोरपा	103	3359	1.98 मधे 0.1.3 ए0	गैर0	8,42,500-00	17,000-00	1250-00	दो माह
	मुरहू	गोडटोली	58	440	0.01 ए0	गैर0				
	खूँटी	कमन्ता	39	358	0.01 ए0	कैसरे हिन्द				
	अड़की	अड़की	145	1196	47.00 ए. मधे 0.02 डी0	गैर0				
	रनियाँ	बेलसियागढ	02	207	160 वर्ग फीट	टाड दो				

नोट:-1. Tender Fee,अग्रधन की राशि 2 प्रतिशत,पैन,GST Certificate,Up to Date GST Return Certificate तथा निबंधन प्रमाण पत्र(भवन निर्माण विभाग)को स्वअभि प्रमाणित छाया प्रति अनिवार्य रूप से जमा करने के पश्चात ही निविदा पत्र(BOQ) निर्गत किया जाएगा।

2. निविदा डालते समय पथ निर्माण विभाग,झारखंड,राँची के संचिका सं०-प०नि०वि०/विविध 06-33/2007(अंश-1)2146 (5) दिनांक-9.9.2020 के अनुसार Performance Security उपलब्ध कराएगें।

3. निविदा प्रकाशन के बाद का ही EMD/Tender Fee मान्य होगा तथा EMD संवेदक के स्वयं के खाता से निर्गत मान्य होगा।

निविदा की शर्त www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

PR 353375 NREP(25-26)D

कार्यपालक अभियन्ता,
एन०आर०ई०पी०,खूँटी।

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

ईडी को 'सुप्रीम' नसीहत

तमिलनाडु की खुदरा शराब कंपनी टीएएसएमएसी के खिलाफ धनशोधन की जांच की ईडी की स्वतःस्फूर्त कार्रवाई पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ी टिप्पणी की और यहां तक कह डाला कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सारी सीमाएं पार कर रहा है और शासन की संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी. राजू से दो टूक कहा,प्रवर्तन निदेशालय सभी सीमाएं पार कर रहा है। धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की सख्त धाराओं के दुरुपयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कई पीठ पहले भी ईडी को जमकर फटकार लगा चुकी हैं। विपक्षी दल तो ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ अक्सर विरोध जताते ही रहते हैं। पीठ ने राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की दलीलों पर गौर करते हुए टीएएसएमएसी के खिलाफ जांच पर फिलहाल रोक लगा दी है। तमिलनाडु. सरकार और टीएएसएमएसी का तर्क है कि शराब दुकानों के लाइसेंस देने में कथित अनियमितताओं को लेकर हम पहले ही आपराधिक कार्रवाई शुरू कर चुके हैं। 2014 से अब तक इस मामले में 41 प्राथमिकियां दर्ज की जा चुकी हैं और अब ईडी बीच में कूदकर टीएएसएमएसी पर ही छापेमारी कर रही है। इस पर पीठ ने फटकार लगाते हुए ईडी से तीखा सवाल किया कि आप राज्य द्वारा संचालित टीएएसएमएसी पर कैसे छापा मार सकते हैं। तमिलनाडु. सरकार ने संवैधानिक अधिकारों और संघीय ढख़ंचे के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए अपनी याचिका में कानून के व्यापक प्रश्न उठाए हैं जिनमें संघवाद का मुद्दा भी शामिल है। जिसमें ईडी अपने दायरे से बाहर जाकर और राज्य के अपराध की जांच करने के अधिकार को हड़प़ने का प्रयास कर रहा है। राज्य सरकार की दलील है कि टीएएसएमएसी को इन प्राथमिकी में से किसी में भी आरोपी नहीं बनाया गया है और कई मामलों में वह शिकायतकर्ता है। दरअसल यह मामला राज्य और केंद्र सरकार के बीच काफी समय से चल रही चांदमारी का ही एक और नमूना है जिसमें ईडी तो कभी सीबीआई निशाने पर आते रहते हैं। यह उम्मीद की जानी चाहिए कि इस शर्मनाक स्थिति से बचने के लिए ईडी अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव लाएगी।

सेहरा बांधने का वक्त

भारत- पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोहराया कि ऑपरेशन सिंदूर' ने पाक व उसके आतंकवादी संचालकों को झुकने पर मजबूर कर दिया। राजस्थान के बीकानेर में रैली को संबोधित करते करते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग महिलाओं के माथे से सिंदूर पोंछने निकले थे वे धूल में मिल गए। मोदी सीना तान कर खड़ा है मोदी का दिमाग ठंड़ा है मगर खून गर्म है। उन्होंने यह भी जोड़ा अब मेरी रगों में खून नहीं सिंदूर दौड़. रहा है।' बीकानेर पाकिस्तान से 168 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है और पड़ोसी मुल्क के पंजाब के बहावलपुर जिले के बिल्कुल सामने है। इसलिए इस इलाके के बाशिंदों को सीमा पार से होने वाले हमलों या घसपैठियों का सीधा सामना करना पड़ता है। मोदी ने स्थानीय लोगों को परमाणु खतरों से भयभीत न होने के साथ ही पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर बात करने की भी चर्चा की। कहा जा सकता है कि मोदी ने दुश्मन देश के भीतर घुसकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि वह आंतकवाद को लेकर अपनी नीति में तब्दीली ला रहा है और मासूम देशवासियों के खून का बदला लेने में किसी की सलाह का इंतजार नहीं करने वाला। अब दिखावटी भभकियां देने का वक्त नहीं रहा। आतंकवाद को प्रश्रय देने वाले दुश्मन मुल्क के सैन्य प्रतिष्ठानों पर आतंकवादी संगठनों से मिलीभगत रखने के आरोप पहले ही लगते रहे हैं। राजनीतिक अस्थिरता, लोकतंत्र पर लगने वाली खरोचें और आर्थिक ढुलमुलाहट ने पाक को भीतर से झकझोर रखा है। वह मित्र देशों के बलबूते ज्यादा देर तक भारतीय सुरक्षा बलों के समक्ष खड़ा नहीं रह सकता, इसका उसे अहसास हो चुका है। तमाम संदेहों के बावजूद मोदी के कट्टर विरोधियों ने भी इस हमले को लेकर एक सुर में अहम बताया और सुरक्षाबलों का हौसला बढ़ाने में कसर नहीं छोड़ी। लाजिमी है कि सत्ता की बागड़ोर संभालने वालों को संवैधानिक ढख़ंचे का सम्मान रखते हुए सुरक्षा-व्यवस्था पर सदन में गंभीर चर्चा भी करनी चाहिए। यह किसी शख्स की जीत या हार नहीं बल्कि आतंकवाद के खिलाफ चालू हुआ ऑपरेशन कहा जा सकता है।

डिजिटल दुनिया में खोता बचपन

आजकल, हमारे आसपास हर तरफ मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट छाया हुआ है। ये सब चीजें डिजिटल दुनिया का हिस्सा हैं। यह दुनिया बहुत मजेदार और ज्ञान से भरी है। हम इसमें गेम खेल सकते हैं, कार्टून देख सकते हैं, और दुनिया भर की जानकारी पल भर में पा सकते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस डिजिटल दुनिया में हमारा बचपन कहीं खोता जा रहा है?

वेद आलोक

पहले के समय में बच्चे गलियों में खेलते थे, पेड़ों पर चढ़ते थे, और दोस्तों के साथ मिलकर खूब मस्ती करते थे। वे कहानियों की किताबें पढ़ते थे, दादा-दादी से रोचक बातें सुनते थे, और अपने हाथों से खिलौने बनाते थे। उनकी दुनिया असली थी, जिसमें धूप थी, मिट्टी थी, और ढेर सारी हंसी थी। लेकिन आजकल, बहुत से बच्चों का ज्यादातर समय मोबाइल या कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बीतता है। वे घंटों तक वीडियो गेम खेलते हैं या सोशल मीडिया पर दोस्तों से चैट करते हैं। बाहर खेलने और प्रकृति को महसूस करने का समय उन्हें कम ही मिल पाता है।

डिजिटल दुनिया के फायदे भी हैं : यह सच है कि डिजिटल दुनिया के कई फायदे भी हैं। इससे हम नई चीजें सीख सकते हैं, अपनी रचनात्मकता को बढ़ा सकते हैं, और दूर बैठे लोगों से भी जुड़े रह सकते हैं। ऑनलाइन कक्षाएं हमें घर बैठे ही अच्छी शिक्षा दिलाती हैं, और एजुकेशनल ऐप्स पढ़ाई को मजेदार बना देते हैं।

लेकिन कुछ नुकसान भी हैं :

लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। डिजिटल दुनिया के कुछ नुकसान भी हैं, खासकर बच्चों के लिए:

आंखों पर जोर: लगातार स्क्रीन देखने से हमारी आंखें थक जाती हैं और कमजोर भी हो सकती हैं।

नींद की कमी: रात को देर तक मोबाइल चलाने से नींद पूरी नहीं हो पाती, जिससे हम दिन भर थका हुआ महसूस करते हैं।

मोटापा: घर के अंदर बैठे रहने और खेलने-कूदने की कमी से मोटापा बढ़ सकता है, जो कई बीमारियों का कारण बनता है।

अकेलापन: भले ही हम ऑनलाइन कई लोगों से जुड़े रहें, लेकिन असली दोस्तों के साथ खेलने और बात करने की खुशी अलग होती है। डिजिटल दुनिया हमें कभी-कभी अकेला महसूस करा सकती है।

सीखने में कमी: हर चीज आसानी से मिल जाने के कारण, हम खुद से सोचने और मेहनत करने की आदत खो सकते हैं। किताबें पढ़ने और अपने हाथों से कुछ करने से जो सीखते हैं, वह डिजिटल जानकारी से अलग होता है।

गलत जानकारी: इंटरनेट पर हर तरह की जानकारी मौजूद होती है, जिसमें कुछ गलत भी हो सकती है। बच्चों के लिए यह पहचानना मुश्किल हो सकता है कि क्या सही है और क्या गलत।

साइबर बुलिंग: ऑनलाइन किसी को परेशान करना या बुरा कहना साइबर बुलिंग कहलाता है। यह बच्चों को बहुत दुख पहुंचा सकता है।

हमें क्या करना चाहिए? : यह जरूरी है कि हम डिजिटल दुनिया का इस्तेमाल समझदारी से करें। हमें यह याद रखना चाहिए कि यह एक उपकरण है, और हर उपकरण का सही इस्तेमाल करना जरूरी होता है।

समय तय करें: हमें अपने माता-पिता से मिलकर तय करना चाहिए कि हम दिन में कितनी देर मोबाइल या कंप्यूटर इस्तेमाल करेंगे। पढ़ाई और खेलने के लिए समय निकालना बहुत जरूरी है।

बाहर खेलें: हमें हर दिन कुछ समय के लिए बाहर जरूर खेलना चाहिए। दौड़ना, कूदना, और दोस्तों के साथ मस्ती करना हमारे शरीर और मन दोनों के लिए अच्छा होता है।

किताबें पढ़ें: कहानियों और ज्ञान की किताबों को पढ़ना एक अद्भुत अनुभव होता है। यह हमारी कल्पना को बढ़ाता है और हमें नई चीजें सिखाता है।

परिवार के साथ समय बिताएं: हमें अपने परिवार के सदस्यों के साथ बातें करनी चाहिए, उनके साथ खेलना चाहिए, और उनसे सीखना चाहिए।

प्रकृति से जुड़ें: हमें पार्क में जाना चाहिए, पेड़-पौधों को देखना चाहिए, और प्रकृति की सुंदरता को महसूस करना चाहिए।

सीखने पर ध्यान दें: हमें अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए और शिक्षकों से सवाल पूछने में डरना नहीं चाहिए।

सुरक्षित रहें: हमें इंटरनेट पर अपनी निजी जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करनी चाहिए और अगर कोई हमें परेशान करे तो तुरंत अपने माता-पिता या शिक्षक को बताना चाहिए।

बैलेंस बनाना जरूरी है : डिजिटल दुनिया बुरी नहीं है, लेकिन हमें इसके और असली दुनिया के बीच एक संतुलन बनाना होगा। हमें टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल सीखने और मनोरंजन के लिए करना चाहिए, लेकिन हमें अपने बचपन की उन खुशियों को भी नहीं भूलना चाहिए जो हमें खेलने, दौड़ने, और अपने दोस्तों के साथ समय बिताने से मिलती हैं। याद रखिए, असली दोस्त स्क्रीन पर नहीं, बल्कि आपके आसपास होते हैं। असली खुशी वीडियो गेम में नहीं, बल्कि प्रकृति की गोद में मिलती है। आइए, हम सब मिलकर एक ऐसा बचपन जिएं जो डिजिटल भी हो और असली भी!

डिजिटल दुनिया का बच्चों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर प्रभाव: इसमें हम स्क्रीन टाइम के कारण होने वाले तनाव, चिंता, और डिप्रेशन जैसे मुद्दों पर बात कर सकते हैं।

बच्चों के सामाजिक कौशल का विकास और डिजिटल माध्यम: कैसे आमने-सामने की बातचीत बच्चों को सहयोग, सहानुभूति, और टीम वर्क जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक कौशल सीखने में मदद करती है, और डिजिटल माध्यम इसमें कैसे बाधा डाल सकता है।

डिजिटल लत और इसके लक्षण: बच्चों में डिजिटल उपकरणों की लत कैसे लग सकती है और इसके क्या लक्षण होते हैं, जैसे कि चिड़चिड़ापन, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, और सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाना।

माता-पिता की भूमिका: माता-पिता बच्चों को डिजिटल दुनिया के सुरक्षित और संतुलित उपयोग के बारे में कैसे शिक्षित कर सकते हैं, और उन्हें स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करने में कैसे मदद कर सकते हैं।

स्कूलों की भूमिका: स्कूल बच्चों को डिजिटल साक्षरता और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के बारे में कैसे सिखा सकते हैं।

डिजिटल डिटॉक्स के तरीके: बच्चों को डिजिटल उपकरणों से ब्रेक लेने और वास्तविक दुनिया से जुड़ने के लिए कुछ मजेदार और रचनात्मक गतिविधियां।

विभिन्न आयु समूहों के बच्चों के लिए डिजिटल उपयोग के दिशानिर्देश: छोटे बच्चों और बड़े बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम और ऑनलाइन गतिविधियों के लिए अलग-अलग सुझाव।

डिजिटल दुनिया के रचनात्मक पहलू: कैसे बच्चे डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके पेंटिंग, संगीत, कोडिंग, और वीडियो बनाने जैसी रचनात्मक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं, और इसका सही संतुलन कैसे बनाए रखा जाए।

डिजिटल दुनिया में नैतिकता और जिम्मेदारी: बच्चों को ऑनलाइन दूसरों के साथ सम्मान से व्यवहार करने और साइबर बुलिंग से बचने के बारे में सिखाना।

कश्मीरी महिलाओं के सामने फिर आया 'बड़ा संकट

इस हमले का वास्तविक नुकसान हमारी नजर से परे है। इसने महिलाओं की प्रगति को छीन लिया है। इसने सार्वजनिक स्थान पर उनकी आवाज और उपस्थिति को छीन लिया है। इसने उन्हें फिर से अन्धकार में धकेल दिया है। कश्मीर में अस्थिर परिस्थितियां सीधे तौर पर वहां के लोगों के लिए आर्थिक आघात में बदल जाती हैं. खासकर, महिलाओं के लिए स्थिति और भी ज्यादा बुरी हो जाती है, क्योंकि वैकल्पिक रोजगार तक उनकी पहुंच पहले से ही सीमित है।

तृप्ति सिंघल सोमानी

इस साल, वसंत का मौसम कश्मीर घाटी के लिए विशेष था। महामारी और राजनीतिक अशांति के कारण वर्षों की खामोशी के बाद, कश्मीर का पर्यटन सीजन आखिरकार उम्मीद के संकेत दे रहा था। स्थानीय बाजार फिर से खुल रहे थे, और होमस्टे को फिर से बुकिंग मिल रही थी। क्षेत्र की अधिकांश महिलाओं के लिए पर्यटन पैसे कमाने, अपने घरों से बाहर निकलने और अपनी पहचान बनाने का एक तरीका बन गया है। वे खाने के स्टॉल चला रही थीं, प्रकृति की सैर करा रही थीं, हाथ से बने कपड़े बेच रही थीं और पर्यटकों को कढ़ाई सिखा रही थीं। धीरे-धीरे और चुपचाप, वे सम्मान और आर्थिक स्वतंत्रता का जीवन जी रही थीं।

लेकिन 22 अप्रैल, 2025 को एक ही झटके में सबकुछ बदल गया। उस दिन, हथियारों से लैस पांच आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों के एक समूह पर हमला किया। यह अचानक और क्रूर था। इसमें छब्बीस लोग मारे गए और बीस से ज्यादा घायल हो गए। यह हाल के वर्षों में भारत का सबसे खतरनाक आतंकी हमला बन गया। इस खबर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इसके बाद लोगों के साथ जो हुआ -खासकर कश्मीर की महिलाओं के साथ-वह काफी हद तक अनदेखा रहा। पर्यटकों ने तुरंत अपनी यात्रा योजनाएं रद्द करनी शुरू कर दीं।

लोकल सर्किल्स के एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, देश के 62 से अधिक परिवारों ने कश्मीर जाने का प्लान कैंसल कर दिया। होटल और गेस्टहाउस खाली होने लगे। हमले से पहले पहलगाम में गूँज रहीं हंसी, कदमों की आहट और कैमरे क्लिक-क्लिक एकदम से बंद हो गईं. सुनाई देने लगी तो चीख-पुकार, मातम, फौजी जूतों की थाप। और धरती के इस स्वर्ग को खौफ और पहले वाले सन्नाटे ने अपने आगोश में ले लिया। यह सन्नाटा सिर्फ.व्यापार का नुकसान नहीं है। कई महिलाओं के लिए यह उनकी आय का एकमात्र स्त्रोत का खोना भी है। यह आत्मविश्वास और उम्मीद का नुकसान है।

अरु घाटी के पास एक छोटा सा कहवा स्टॉल चलाने वाली रुबीना की आंखों में आंसू थे जब उन्होंने कहा, हमने अभी-अभी कोविड से उबरना शुरू ही किया था। अप्रैल हमारा सबसे व्यस्त महीना माना जाता था। अब सबकुछ वापस शून्य पर आ गया है। अनंतनाग की कारीगर शबनम ने कहा, हमें आखिरकार वे पर्यटक मिल रहे थे जो हर साल हमसे खरीदारी करने आते थे। इस हमले ने सबकुछ खत्म कर दिया, पर्यटक अब डरे हुए हैं और हम फिर से पहले वाली स्थिति में पहुंच गए हैं।

पूर्व के एक अध्ययन से पता चला है कि कश्मीर में पर्यटन ने महिलाओं को पैसे कमाने, नए कौशल सीखने और अधिक स्वतंत्र होने का मौका दिया है। पर्यटन का हिस्सा बनना उनके लिए काम से कहीं बढ़कर है यह उनकी पहचान है, उनका अस्तित्व है, मगर एक हमले ने इन महिलाओं को जिंदगी की दौड़ में फिर सबसे पीछे लाकर खड़ा कर दिया है. डर-खौफ के नए माहौल के बीच, अब कई महिलाओं को बाहर जाने की अनुमति नहीं है। परिवार स्थानीय बेटियों को बाजार भेजने से भी डरते हैं। महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे होमस्टे खाली हैं। कहवा स्टॉल बंद हैं। कढ़ाई की कार्यशालाएं रुकी हुई हैं। सब कुछ फिर से जम गया है। इस हमले का वास्तविक नुकसान हमारी नजर से परे है। इसने महिलाओं की प्रगति को छीन लिया है। इसने सार्वजनिक स्थान पर उनकी आवाज और उपस्थिति को छीन लिया है। इसने उन्हें फिर से अन्धकार में धकेल दिया है। कश्मीर में अस्थिर परिस्थितियां सीधे तौर पर वहां के लोगों के लिए आर्थिक आघात में बदल जाती हैं. खासकर, महिलाओं के लिए स्थिति और भी ज्यादा बुरी हो जाती है, क्योंकि वैकल्पिक रोजगार तक उनकी पहुंच पहले से ही सीमित है।

तन-मन के परे जाने का साधन ध्यान

चिंतन-मनन

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

जब आप अपनी पहचान एक शरीर के रूप में करते हैं, तो जीवन के बारे में आपकी सारी समझ सिर्फ जीवित रहने भर के बारे में होगी। अगर आप अपनी पहचान अपने मन के रूप में करते हैं, तो आपकी सारी समझ सिर्फ पारिवारिक, सामाजिक और धार्मिक दृष्टिकोण की गुलाम ही होगी। आप इन सब के परे देख ही नहीं सकते। केवल जब आप अपने ही मन के फेर से मुक्त होंगे, तब ही आप परे के आयाम को जान पाएंगे। यह शरीर और यह मन आपके नहीं हैं। ये कुछ ऐसी चीजें हैं जो आपने कुछ समय में इक्ा की हैं। आपका शरीर आपके खाए हुए भोजन का एक ढेर मात्र है। आपका मन केवल आपके द्वारा बाहर से इक्ा किए हुए प्रभावों का एक ढेर है। आपने जो इक्ा किया है वो आपकी संपत्ति है। जैसे कि आपका घर है, बैंक में जमा रकम है, वैसे ही आपके पास शरीर और मन है। बैंक में अच्छी रकम, एक अच्छा शरीर और एक अच्छा मन एक अच्छा जीवन जीने के लिए जरूरी हैं, पर पर्याप्त नहीं हैं। कोई भी मनुष्य इन चीजों से कभी भी संतुष्ट नहीं रहेगा। ये जीवन को सिर्फ आरामदायक बनाएंगे। पहले की किसी भी पीढ़ी ने इस तरह के आराम की, इस तरह की सुविधाओं की कल्पना भी नहीं की थी, जो हमारे पास हैं।

फिर भी हम यह नहीं कह सकते कि इस धरती पर हम सबसे ज्यादा आनंदित और सबसे ज्यादा प्रेमपूर्ण पीढ़ी हैं। आपके जीवित रहने के लिए आपके पास शरीर और मन, ये जो दो साधन हैं, वे ठीक हैं पर वे आपको पूर्णता नहीं देंगे।

उनसे आपको संतोष नहीं मिलेगा, क्योंकि मनुष्य का गुण ही है जितना है उससे ज्यादा चाहना। अगर आप नहीं जानते कि आप कौन हैं, तो क्या आप ये जानने के काबिल हैं कि ये दुनिया क्या है? आप जो हैं, उसके सही गुणों का अनुभव करने के लिए आपको अपने शरीर और मन के परे जाना होगा। योग और ध्यान, इसके लिए वैज्ञानिक साधन हैं।

आध्यात्मिक प्रक्रिया: जीवन के लिए स्वच्छंद उत्साह- आमतौर पर दुनिया में हर कोई अपने सपनों को पूरा करने की सोचता है। आपका सपना जो कुछ भी हो, यह आपके अतीत का एक बढ़ाया-चढ़ाया हुआ रूप होता है। आप किसी ऐसी चीज का सपना नहीं देख सकते जिसे आप जानते नहीं हैं। तो, आप जो जानते हैं, उसी के आधार पर तय करते हैं कि आपको भविष्य में क्या करना है।

आपके पत्र

कूटनीति के मंच पर लोकतंत्र की परीक्षा

भारत की लोकतांत्रिक संरचना और विविधतापूर्ण सामाजिक ताने-बाने ने उसे वैश्विक मंच पर एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है, जहां विभिन्न विचारधाराएं, जातियां, धर्म और भाषाएं एकजुट होकर सह-अस्तित्व की प्रेरणा देती हैं। लेकिन जब यह आंतरिक एकता राजनीतिक स्वार्थों और आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ने लगे, तब राष्ट्र की साख और उद्देश्य दोनों ही संकट में पड़ जाते हैं।

हाल ही में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के जवाब में भारत सरकार द्वारा गठित सात प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य था- भारत की एकता, अनेकता में एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों का संदेश दुनिया भर में पहुंचाना। यह एक सशक्त कूटनीतिक प्रयास था, किंतु, विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच उपजे विवाद ने इस प्रयास की गंभीरता को आंशिक रूप से क्षीण किया है। इस समय एकजुटता की जरूरत है।

मीनाक्षी बंसल,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email :** metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

प्रमाण पत्र से जुड़े मामलों का शीघ्र सत्यापन कर निर्गत करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए : उपायुक्त

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में गोपनीय कार्यालय में विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न संस्थानों में नियुक्त व्यक्तियों के चरित्र सत्यापन, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग व लोकायुक्त कार्यालय से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई। निर्देश देते हुए कहा कि चरित्र प्रमाण पत्र से जुड़े मामलों का शीघ्र सत्यापन कर निर्गत करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, जिससे नियुक्तियों में कोई बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने यह भी कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी समयबद्ध व पारदर्शी तरीके से कार्य संपन्न करें। बैठक में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के कुल 04 मामलों व लोकायुक्त से जुड़े 01 मामले की गहन समीक्षा की गई। इसके साथ ही चौकिदार नियुक्ति से संबंधित अनुकंपा आधारित मामलों पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।इस अवसर पर अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, जिला सामान्य शाखा प्रभारी सुनिता किस्कू समेत अन्य उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के लिए साहेबगंज के सत्यम चौधरी का चयन कुश्ती प्रतियोगिता में

साहिबगंज : खेल मंत्रालय एवं युवा मामले, भारत सरकार द्वारा आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में साहेबगंज की बेटी सत्यम कुमारी चौधरी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए झारखंड की कुश्ती टीम में अपना स्थान पक्का कर लिया है। यह प्रतियोगिता 11 से 15 मई तक पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पटना में आयोजित की जा रही है।सत्यम चौधरी वर्तमान में खेल विभाग, झारखंड द्वारा खेल गांव, रांची में संचालित विशेष कुश्ती प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रही हैं। वे साहेबगंज स्थित खेलो इंडिया कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र की ट्रेनी हैं।गौरवपूर्ण उपलब्धि पर साहेबगंज उपायुक्त हेमंत सती ने सत्यम को आशीर्वाद देते हुए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही जिला खेल पदाधिकारी पंकज कुमार झा,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा, जे.ओ.ए सदस्य राजेश यादव, कल्याण श्रीवास्तव, माधव चंद्र घोष, संतोष उर्फ टिंकू, कोच योगेश यादव, अशोक साहनी, जिला कुश्ती संघ की सचिव नमिता कुमारी, कोच प्रकाश सिंह बादल, कौशल किशोर मरांडी और गौरव झा समेत जिलेवासियों ने सत्यम को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फिल्म को तैयार करने वाले सभी टीम को बधाई : पूर्व विधायक

साहिबगंज : शहर के स्टेडियम रोड स्थित छोटू महाराज सिनेमा कैफे हाल में चुन्नू फिल्म के बैनर तले बनी संथाली फिल्म होक रियाक लड़ाई का विमोचन वोरियो विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सह झामुमो नेता ताला मरांडी ने फीता काट कर किया।इसके पूर्व फिल्म में सहायक रौल की भूमिका निभाने वाले व फिल्म के सहायक निर्देशक पंकज मुर्मू व अन्य ने बुके देकर ताला मरांडी का स्वागत किया।मौके पर ताला मरांडी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि फिल्म को तैयार करने वाले सभी टीम को बधाई।कहा कि यह गर्व और खुशी की बात है। कि संथाली भाषा में फिल्म तैयार की गई और इसमें खास करके जो जन जातीय लोगों को किस तरह परेशान किया जाता है। और उससे संघर्ष करने,अपने हक की लड़ाई कैसे लड़ी जाएगी यह प्रेरणा ये फिल्म देती है। और इससे समाज में जागृति आएगी।वही पंकज मुर्मू ने बताया की इस फिल्म का मुख्य उद्देश्य है कि गांव ग्राम में गरीबों के साथ हो रहे शोषण के खिलाफ लड़ाई लड़ने के ऊपर इसे बनाया गया है।उन्होंने बताया की इस फिल्म को बनाने मे लगभग 30 लाख का बजट लगा है।7 वर्ष से इसकी पटकथा लिखने और तैयारी में लगे यह तीसरी फिल्म है इसके बाद एक फिल्म और जल्द ही आएगी।इस फिल्म में मुख्य रूप से परितोष सोरेन,उर्मिला मारंडी, विनोद सोरेन,मेली हेंब्रम,पंकज मुर्मू गंगा रानी थापा,दशरथ हसदा आदि ने काम किया है या फिर जमशेदपुर व दुमका के कई मनोरम दृश्य में फिल्माया गया है। इस फिल्म के निर्देशक दशरथ हांसदा हैं।

आपदा से निपटने व बचाव को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

देवघर : जिले केउपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर के निदेर्शानुसार जिले में आपदा से बचाव हेतु आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इस कड़ी में शुक्रवार को देवघर प्रखण्ड सभागार में एनडीआरएफ की टीम ने विभिन्न प्रकार के आपदा से निपटने के लिए प्रखंडकर्मियों समेत अन्य लोगों को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर ने प्रखंड कर्मियों को विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक आपदा से राहत एवं बचाओ कार्य की जानकारी से अवगत कराया। साथ ही रक्तस्त्राव को नियंत्रित करने, सीपीआर, सर्पदंश, हृदय रोग, सड़क सुरक्षा के दौरान शारीरिक क्षति से संबंधित बचाव की भी जानकारी दी गयी। इसके अलावा आगजनी से बचाव, घायलों का प्राथमिक उपचार करना, घायल व्यक्ति की ब्लीडिंग को रोकना, चोटों को स्टेबलाइज करने के अलावा हृदय घात, बाढ़ और गहरे पानी में डूबने जैसी आपदाओं से बचने के कई तरीके बताए। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आपदा प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को आपदाओं से निपटने के लिए तैयार करना है।

श्रावणी मेले से झारखंड को देश- दुनिया में एक विशिष्ट पहचान मिली है : मुख्यमंत्री

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : झारखंड केमुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने 11 जुलाई से शुरू होने वाले विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला -2025 की तैयारियों को लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम-बासुकीनाथ तीर्थ क्षेत्र विकास प्राधिकार एवं वरीय पदाधिकारियों के साथ शुक्रवार को उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। श्री लोक कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, रांची में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने राजकीय श्रावणी मेला से जुड़ी सारी तैयारियां ससमय पूरी करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि, श्रावणी मेला में देश विदेश से श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। बैठक में अधिकारियों ने श्रावणी मेला की चल रही तैयारियों की अद्यतन स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

श्रावणी मेला को और भव्यता दें

मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने कहा कि श्रावणी मेला हमारी आस्था का एक बड़ा केंद्र है। श्रावणी मेले से झारखंड को देश- दुनिया में विशिष्ट पहचान मिली है। हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा नगरी आते हैं। हर वर्ष इस विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले को काफी बेहतर तरीके से आयोजित करते आ रहे हैं। इस वर्ष भी लगभग 50 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। ऐसे में वे यहां से बेहतर अनुभव लेकर जाएं, इसके लिए श्रावणी मेला में नई कड़ियों को जोड़ने के साथ इसे और भी भव्य स्वरूप देने की दिशा में आगे बढ़ें। इसके लिए जो भी जरूरतें होगी, उसे उपलब्ध कराया जाएगा।

सभी विभाग समन्वय बनाकर तैयारियों को अंतिम रूप दें

मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने कहा कि श्रावणी मेला में सुरक्षा, स्वच्छता, विश्राम, पेयजल, बिजली ,पानी, शौचालय, स्नानागार, यातायात और स्वास्थ्य से संबंधित सारी व्यवस्थाएं पुख्ता होनी चाहिए। इसके लिए सभी विभाग आपस में समन्वय बनाकर तैयारियों को अंतिम रूप दें। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव से कहा कि वे श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर विभागों द्वारा की जा रही व्यवस्था की मॉनिटरिंग करें ।

मेला रूट में खाली पड़ी जमीन का उपयोग हो

मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि वे श्रावणी मेला के समापन तक के लिए मेला रूट में खाली पड़ी जमीन को लेने के लिए रैयतों से बात करें। अगर वे इसके लिए तैयार हो जाते हैं तो उस जमीन पर विश्राम गृह, शौचालय और स्नानागार की व्यवस्था करें , ताकि श्रद्धालुओं को अच्छी व्यवस्था मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि मेला के समापन के बाद उक्त जमीन की पूरी साफ सफाई कर उसके रैयत को वापस कर दें। मुख्यमंत्री ने महिलाओं और बच्चों के लिए अलग से रहने और भोजन की व्यवस्था करने का भी निर्देश अधिकारियों को दिया।

भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन व्यवस्था पर विशेष बल

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकीय श्रावणी मेला के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम और बासुकीनाथ धाम में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में भीड़ नियंत्रण के साथ ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को पुख्ता रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मेला रूट में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएं। वाहनों की गति सीमा निर्धारित कर उसका कड़ाई से पालन हो। पर्याप्त संख्या में वाहन प्लेट नंबर रीडिंग हाई डेफिनेशन कैमरा लगाएं जाय, ताकि ट्रैफिक सिस्टम का उल्लंघन करने वालों की पहचान में सुविधा हो सके।

श्रद्धालुओं की शिकायतों पर तुरंत एक्शन लें

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दफ इंर्शी उङ्केस्त्र'ल्ल र८२३ी शुरू करने का निर्देश दिया , ताकि किसी भी श्रद्धालु को अगर कोई परेशानी या समस्या हो रही है तो वह अपनी शिकायत तुरंत दर्ज करा सके । उन्होंने कहा कि शिकायतों के त्वरित निष्पादन की व्यवस्था होनी चाहिए । मुख्यमंत्री ने मेला प्रबंधन को लेकर कई अन्य अहम निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

उच्च स्तरीय बैठक में मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक सुरेश पासवान, विधायक देवेंद्र कुंवर, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव मस्त राम मीणा, प्रधान सचिव वंदना दादेल, पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता, सचिव मनोज कुमार के अलावा कई अन्य वरीय अधिकारी तथा बाबा बैद्यनाथ धाम- बासुकीनाथ तीर्थ क्षेत्र विकास प्राधिकार के सदस्य गण मौजूद थे।

रानी अहिल्याबाई होलकर के समाज कल्याण के लिए किए गए कार्य आज भी प्रेरणा स्रोत हैं : आरती सिंह

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : भारतीय जनता पार्टी दुमका जिला की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को परिसदन सभागार में जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह एवं प्रदेश उपाध्यक्ष बबीता झा शामिल हुईं।

बैठक में पुण्यश्लोक रानी अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आगामी 27 मई 2025 को अग्रसेन भवन, दुमका में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। कार्यक्रम में भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद रविन्द्र कुमार राय मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और कार्यकताओं का मार्गदर्शन करेंगे।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह ने कहा,

₹रानी अहिल्या बाई होलकर केवल एक राजमाता नहीं थीं, वे एक युगद्रष्टा थीं। उनके द्वारा समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए किए गए कार्य आज भी प्रेरणा का स्त्रोत हैं। भारतीय जनता पार्टी ऐसे महान व्यक्तित्वों की जयंती को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक अभियान के रूप में मानती है, ताकि नई पीढ़ी को हमारे इतिहास और संस्कारों से जोड़ा जा सके।

भाजपा दुमका जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद ने कहा,

₹दुमका में इस ऐतिहासिक अवसर को भव्य और प्रेरणादायक बनाने के लिए हम सब प्रतिबद्ध हैं। रानी अहिल्या बाई का जीवन सामाजिक न्याय, नारी सशक्तिकरण और धर्म के प्रति सेवा भावना का प्रतीक है। भाजपा का हर कार्यकर्ता इस कार्यक्रम को जन-जागरण का माध्यम बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटेगा।₹

बैठक में संगठन की विभिन्न इकाइयों को कार्यक्रम की जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं और सभी कार्यकताओं से इसे ऐतिहासिक सफलता दिलाने का आह्वान किया गया।

जिला मीडिया सह प्रभारी नवल किस्कू ने बताया इस अवसर पर प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश मुर्मू, निवास मंडल, डॉ० शर्मिला सोरेन,अमिता रक्षित, मुन्ना सिंह,जिला महामंत्री डॉ० पवन केशरी,जिला उपाध्यक्ष मार्शल ऋषिराज टुडू, बबलू मंडल,जिला मंत्री सोनी हेंब्रम, मृणाल मिश्रा,युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल, दीप्तांशु कोचगवे, दिनेश सिंह, श्रीधर दास, मनोज साह, ममता साह, नीतू झा, गायत्री जायसवाल, पूनम भगत, मंजू दास, उषा दास, कुश कुमार पाल, नीतू सिंह, रानी सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे.

पीएचडी शोधार्थियों को प्रोग्रेस रिपोर्ट जमा करना अनिवार्य

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका से पीएचडी कर रहे सभी शोधार्थियों को अपनी शोध प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में जमा करनी होगी। इस संबंध में कुलपति के निर्देश पर परीक्षा नियंत्रक ने पत्र विश्वविद्यालय के विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों के विभागाध्यक्षों को भेज दिए हैं। उक्त पत्र में निर्देश दिया गया है कि विभाग के सभी पीएचडी शोधार्थियों की रिसर्च प्रगति के संबंध में विभागीय स्तर पर सेमिनार आयोजित कराई जाए। इसके उपरांत उसी सेमिनार के आधार पर तैयार की गई प्रगति रिपोर्ट को परीक्षा विभाग में निर्धारित फॉर्मेट में जमा करना अनिवार्य होगा। परीक्षा विभाग ने पत्र के साथ उक्त फॉर्मेट भी साझा किया है। प्रगति सेमिनार में संबंधित संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शोध पर्यवेक्षक और विषय शिक्षकों आदि की उपस्थिति अनिवार्य होगी। विश्वविद्यालय ने यह व्यवस्था शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की है। अब प्रत्येक तीन माह पर सभी शोधार्थियों को अपनी प्रगति विभागीय रिसर्च कमिटी के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी, जिसकी रिपोर्ट विभागाध्यक्ष द्वारा परीक्षा विभाग में भेजी जाएगी। उल्लेखनीय है कि झारखंड के अन्य विश्वविद्यालयों में यह व्यवस्था पहले से ही लागू है, लेकिन एसकेएमयू में अब इसे सख्ती से लागू किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा हाल के वर्षों में शोध की गुणवत्ता में सुधार हेतु कई पहलें की गई हैं, जैसे झ साहित्यिक चोरी की जांच के लिए नवीन और उन्नत सॉफ्टवेयर का प्रयोग, पीएचडी रजिस्ट्रेशन के बाद सिनॉप्सिस को ₹शोधगंगोत्री₹ और पीएचडी अवार्ड के पश्चात थीसिस को ₹शोधगंगा₹ पोर्टल पर अपलोड करना। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय ने जेआरएफ फेलोशिप प्राप्त कर रहे शोधार्थियों के लिए एसआरएफ में अपग्रेडेशन हेतु बाह्य विशेषज्ञ की उपस्थिति में अपग्रेडेशन सेमिनार आयोजित करने का निर्देश भी दिया है। बाह्य विशेषज्ञ की नियुक्ति कुलपति द्वारा की जाएगी। वर्तमान में विश्वविद्यालय में लगभग दस शोधार्थी जेआरएफ फेलोशिप प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें से अब तक केवल तीन संथाली विभाग के शोधार्थियों का एसआरएफ में अपग्रेड हुआ है, जबकि नियमानुसार दो वर्षों के तुरंत बाद यह प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए, यदि शोध कार्य संतोषजनक पाया जाए।

प्रधानमंत्री के रूप में कक्षा पंचम के भैया आलोक गुप्ता का चयन

साहिबगंज : जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज के वंदना कक्ष में शिशु भारती का गठन किया गया।शिशु भारती के प्रधानमंत्री के रूप में कक्षा पंचम के भैया आलोक गुप्ता का चयन किया गया।स्वच्छता एवं सज्जा विभाग में भैया अंकित कुमार एवं बहन अनिसा दास।अनुशासन विभाग में बहन सृष्टि कुमारी,बहन दीपिका,भैया पीयूष कुमार,भैया तनिष्क।बागवानी विभाग में भैया आनंद कुमार एवं भैया हेमंत सिंह।चिकित्सा विभाग में भैया युवराज सिंह एवं बहन वैष्णवी कुमारी,अतिथि सत्कार में बहन जीविका रानी एवं बहन तृषा कुमारी।खेलकूद शारीरिक विभाग में भैया जगदीश कुमार,बहन शिवांशी प्रिया व भैया अंकुश कुमार।खोया पाया विभाग में बहन अंबिका साह एवं भैया जयंत मिश्रा का चयन किया गया।शिशु भारती के गठन में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित,आचार्य अमित कुमार,श्यामा प्रसाद उपस्थित थे।

विधायक निसात आलम ने 2.29 करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा नगर पंचायत क्षेत्र के निवासियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। विधायक निसात आलम ने बहुप्रतीक्षित आरसीसी नाला ढक्कन सहित और पीसीसी सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया।डीएमएफटी मद से प्रस्तावित इस परियोजना की कुल लागत ?2 करोड़ 2.29 लाख है।जिससे बरसों से चली आ रही जल निकासी और जलजमाव की गंभीर समस्या का समाधान होने की पूरी उम्मीद है। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक निसात आलम ने नारियल फोड़कर और फीता काटकर किया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर नाला और सड़क का निर्माण किया जाएगा.इस परियोजना के पूरा होने के बाद बरहरवा नगर पंचायत की जल

निकासी व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार आएगा।इससे स्थानीय लोगों को बरसों से चली आ रही जलजमाव की समस्या से स्थायी निजात मिलेगी,जिससे उनके दैनिक जीवन में काफी सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है।शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान,वक्ताओं ने इस विकास कार्य के लिए विधायक निसात आलम का आभार व्यक्त किया और इसे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक अहम कदम बताया।इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास,प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,वरिष्ठ कांग्रेसी मो.गुलाब रब्बानी,कमल आर्य,मो.नसीरुद्दीन,इफ्तिखार आलम, मोफक्कर हुसैन, कार्यपालक अभियंता रमाकांत, सहायक अभियंता ऐजाज, कनीय अभियंता राम शंकर सिंह, भोलानाथ महतो, मो.सफातुल्लाह, दिलदार आलम,परवेज आलम, हीरालाल शाह,अनंत लाल भगत,निताई सरकार,नेहाल अख्तर, धर्मवीर महतो, इकबाल, संतोष झा, थॉमस रॉबट,समुद्री बास्की, जीसू किस्कू,शमशेर खान,छोटेलाल रामानी,आफताब आलम,राकेश शेख, विक्की कर्मकार,धर्मेंद्र शाह, विष्णु मॉल,सारिक रब्बानी, ओबैदुर रहमान,अकरम रजा, राजू, संतोष राय,अजीत कुमार राय, आलमगीर मंसूरी सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

इन योजनाओं का हुआ शिलान्यास

काली मंदिर से निशा मैरेज हॉल तक नाला प्राक्कलित राशि - 36.862 लाख,निशा मैरेज हॉल से आदित्या मेडिकल हॉल तक नालाः प्राक्कलित राशि 21.618 लाख,आदित्या मेडिकल हॉल से मस्जिद चौक तक नालाः प्राक्कलित राशि - 40.153 लाख,मस्जिद चौक से इंफॉर्मेटिक कंप्यूटर सेंटर तक नाला प्राक्कलित राशि - 21.854 लाख,प्रोफेसर कॉलोनी में रिंकु के घर से भाया मस्तान एवं बी. एन. साहा के घर होते हुए मुख्य सड़क आर. सी. सी. नाला तकः प्राक्कलित राशि - ?39.355 लाख,मस्जिद चौक से रेलवे गेट के सामने तक नालाः प्राक्कलित राशि ?19.089 लाख,नौसाद की दुकान हरिजन टोली से भाया स्कूल होते हुए इंफॉर्मेटिक कंप्यूटर सेंटर तक आर.सी.सी. सह पी.सी.सी. सड़कःप्राक्कलित राशि 23.47 लाख की कार्य होगी ।

'ना दबाव रहा न ही मौके छीने गए', एक्टर बनने की पसंद पर बोले ईशान खट्टर

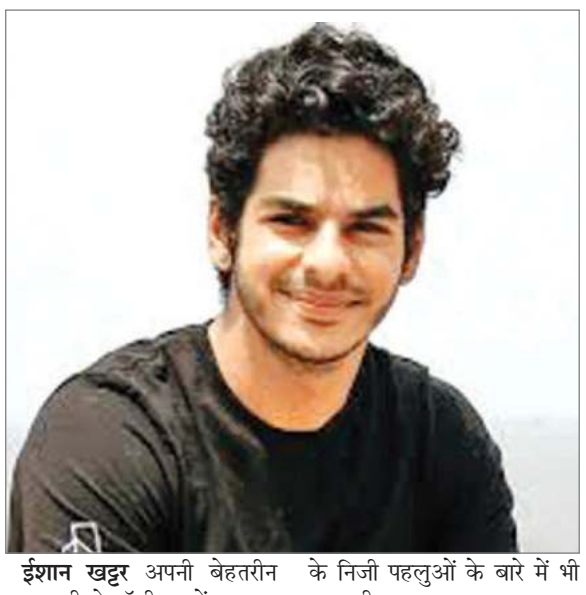

ईशान खट्टर अपनी बेहतरीन अदाकारी से बॉलीवुड में लगातार अपनी पहचान बना रहे हैं। साल 2017 में माजिद मजीदी की फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से उन्होंने एक्टिंग में डेब्यू किया है। इसके बाद उन्होंने लोगों पर अपनी अदाकारी का जादू दिखाया है। अब ईशान अपनी आगामी फिल्म 'होमबाउंड' के साथ एक बार फिर स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार हैं। कान 2025 में फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद ईशान ने एक इंटरव्यू में अपने करियर, पारिवारिक जीवन और अपने भाई शाहिद कपूर के साथ लगातार तुलना के बारे में बात की।

एक्टर बनने का नहीं था दबावः जूम के साथ बातजीत में ईशान ने खुलासा किया कि अभिनय में उनका कदम पूरी तरह से उनकी अपनी पसंद थी। उन्होंने बताया कि उन्हें कभी भी अभिनेता बनने के लिए मजबूर नहीं किया गया था उन्होंने कहा 'ऐसा कभी नहीं हुआ कि मुझ पर थोपा गया कि तुम्हें अभिनेता बनना है, न ही मुझसे यह मौका छीना गया कि मैं यह नहीं कर सकता।' इसी बातचीत में ईशान ने अपने जीवन के निजी पहलुओं के बारे में भी बात की।

'द रॉयल्स' में नजर आ चुके ईशान : ईशान खट्टर हाल ही में प्रियंका घोष और नूपुर अस्थाना द्वारा निर्देशित 'द रॉयल्स' में नजर आए थे। सीरीज में ईशान की अदाकारी और उनके लुक की खूब चर्चा हुई। वह इसमें शर्टलेट हुए। नेटफ्लिक्स पर 9 मई से शुरू हुई आठ-एपिसोड की इस सीरीज में भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, डिनो मोरियो और दूसरे लोगों ने अदाकारी की है।

कान में दिखाई गई 'होमबाउंड': अब ईशान खट्टर की फिल्म 'होमबाउंड' रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा हैं। इस फिल्म का विश्व प्रीमियर कान फिल्म फेस्टिवल 2025 में हुआ था। नीरज घेवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म को कान में अच्छी प्रतिक्रिया मिली। प्रोग्राम में उपस्थित लोगों ने 9 मिनट तक खड़े होकर तालियां बजाईं। फिल्म ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूम मचा दी है। निमार्ताओं ने अभी तक भारत में इसकी रिलीज की तारीख का एलान नहीं किया है।

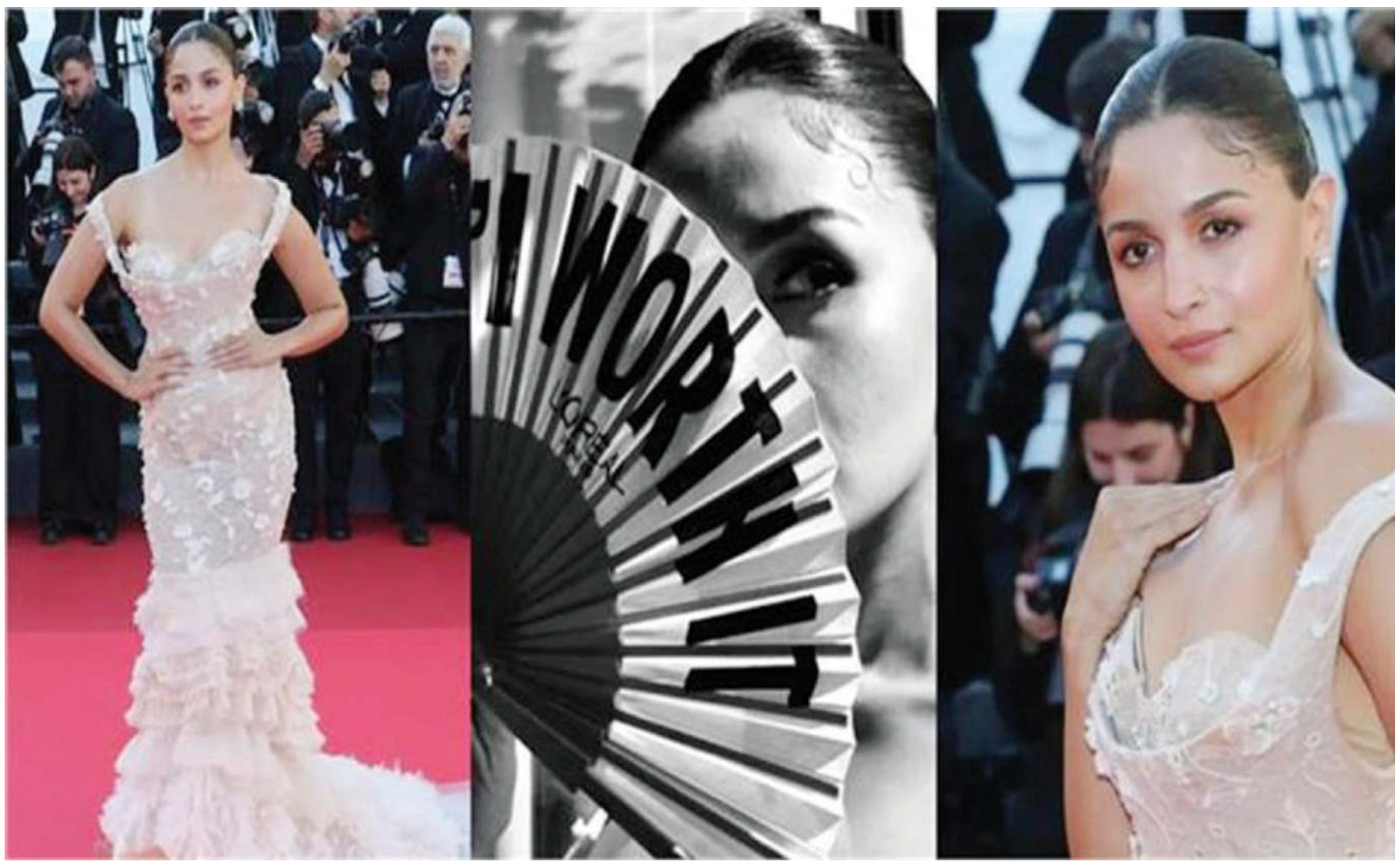

कान फिल्म महोत्सव के रेड कार्पेट पर पहली बार नजर आई आलिया भट्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने 78वें कान फिल्म महोत्सव में शिरकत की। वह इस प्रतिष्ठित समारोह के रेड कार्पेट पर पहली बार नजर आईं। अभिनेत्री ने शिआपरेली हाउट काउचर का गाउन पहना जिसे बारीक फूलों से सजाया गया था।

उन्होंने अपने मेकअप को बेहद हल्का रखा और बालों का जूड़ा बनाया। आलिया (32) ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी तस्वीरें साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, हैलो कान और उन्होंने लोरियल पेरिस को इस पोस्ट में टैग किया। आलिया भट्ट लोरियल पेरिस की वैश्विक ब्रांड एंबेसडर हैं। यह ब्रांड इस साल कान में अपनी 28वीं वर्षगांठ मना रहा है।

आईपीएल 2025 : आज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टॉप पोजिशन के लिए खेलेंगे किंग्स

जयपुरः आईपीएल का 66वां मुकाबला शनिवार को खेला जाना है, जिसमें पंजाब किंग्स का दिल्ली कैपिटल्स से सामना होगा। 11 साल बाद प्लेऑफ में जगह बनाने वाली पंजाब की टीम की नजर इस मैच को जीतकर अंक तालिका में टॉप-1 पर पहुंचने पर होगी। दूसरी ओर, अक्षर पटेल एंड कंपनी अपने अभियान का अंत जीत के साथ करना चाहेगी। आईपीएल के 18वें सीजन का कारवां एक बार फिर जयपुर पहुंचने वाला है। 24 मई को सवाई मानसिंह क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का आमना-सामना होगा।

भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण रद्द हुए इस मैच को रिशेड्यूल किया गया है। बीते रविवार राजस्थान रॉयल्स को रौंदकर पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ में जगह बना ली है, लेकिन अब उनका लक्ष्य शीर्ष-1 में बने रहकर लीग चरण का समापन करना होगा।

नीरज चोपड़ा ने जानूस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में जीता रजत पदक

वॉरसॉः भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता। प्रतियोगिता शुक्रवार को पोलैंड में हुई। नीरज का बेस्ट थ्रो 84.14 मीटर रहा, जो उन्होंने आखिरी प्रयास में किया।

जर्मनी के जूलियन वेबर ने प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता। वेबर का बेस्ट थ्रो 86.12 मीटर रहा। नीरज का छठा प्रयास उन्हें सिल्वर मेडल जीतने पर ले आया।

सन ऑफ सरदार फेम एक्टर मुकुल देव का निधन, गम में डूबी फिल्म इंडस्ट्री

ह्यसन ऑफ सरदार, जय हो, आर राजकुमार जैसी बड़ी फिल्मों में काम करने वाले अभिनेता मुकुल देव अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके अचानक निधन की खबर ने फिल्म जगत को गमगीन कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुकुल पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे, लेकिन उनका जाना इंडस्ट्री के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है।

कौन थे मुकुल देव?: 17 सितंबर 1970 को दिल्ली में पंजाबी परिवार में जन्में मुकुल देव अभिनेता राहुल देव के छोटे भाई हैं। 90 के दशक में उन्होंने कई पॉपुलर सीरियल्स में काम किया और वहीं से उन्हें पहचान मिली। उन्होंने कहानी घर-घर की , लव यू जिंदगी और सीआईडी जैसे चर्चित टीवी शोज में भी काम किया।

टीवी से फिल्मों तक का सफरः सालों तक टीवी में काम करने के बाद मुकुल देव ने फिल्मों का रुख किया। हालांकि उन्होंने हीरो के रूप में ज्यादा फिल्में नहीं कीं, लेकिन अपने अभिनय और गंभीर किरदारों के चलते वो दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना चुके थे।

म्मुकुल देव की फिल्में : मुकुल देव की फिल्मों की लिस्ट लंबी है। उनकी बेहतरीन फिल्मों में सन ऑफ सरदार , सलमान खान की जय हो , मुझे मेरी बीवी से बचाओ , ये है मुंबई मेरी जान , कहीं प्यार न हो जाए , अपना सपना मनी मनी, शूटआउट एट लोकंधवाला ,डॉनः द चेस बिगिंस अगेन , यमला पगला दीवाना , कृष्ण कॉटेज जैसी शानदार फिल्मों में काम किया है। वो आखिरी बार साल 2022 में फिल्म अंत द एंड में दिव्या दत्ता के साथ नजर आए थे।

सुपरस्टार्स के साथ किया कामः मुकुल देव ने अपने करियर में कई बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर की। अजय देवगन, संजय दत्त, सलमान खान, शाहिद कपूर जैसे स्टार्स के साथ उन्होंने फिल्मों में अहम भूमिका निभाई।

मुकुल देव की पर्सनल लाइफः अभिनेता मुकुल की पत्नी शिल्पा देव हैं। उनकी एक बेटी भी है। एक्टर के पिता पुलिस कमिश्नर थे जिनका निधन साल 2019 में हुआ था।

फैंस और सेलेब्स में शोक की लहरः मुकुल देव के निधन की खबर जैसे ही सामने आई, सोशल मीडिया पर शोक संदेशों की बाढ़ आ गई। फैंस से लेकर इंडस्ट्री के साथी कलाकारों तक, हर कोई इस खबर से दुखी है। दीपशिखा नागपाल समेत कई सेलेब्रिटीज ने उनके साथ बिताए पलों को याद करते हुए सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट शेयर किए हैं।

कृति सेनन ने बॉलीवुड में पूरे किए 11 साल

अपनी निडर पसंद से लीक से हटकर काम करने का एक दशक

11 साल पहले जब हीरोपंती सिनेमाघरों में आई थी, उसी दिन कृति सनोन ने एक ऐसा मील का पत्थर स्थापित किया है, जो बहुत कम नवोदित कलाकार बाहरी होने के बावजूद इतनी कुशलता से हासिल कर पाते हैं - एक दशक से भी ज्यादा समय में बॉलीवुड में एक अग्रणी महिला होने का मतलब फिर से परिभाषित किया है। गर्ल-नेक्स्ट-डोर का किरदार निभाने से लेकर बोल्ड, शैली-विरोधी छलांग लगाने तक, दिल्ली गर्ल कृति की फिल्मोग्राफी आज साहस और पुनर्रचना के मामले में एक केस स्टडी की तरह है।

हीरोपंती से शुरू हुई यह फिल्म - जिसमें उन्होंने डिम्पी नामक एक पारंपरिक लेकिन मजबूत युवती का किरदार निभाया था - जल्द ही गहरे, साहसी विकल्पों में बदल गई। बरेली की बर्फी में उन्हें मुखर बिट्टी के रूप में देखा गया, जो आकर्षण और धैर्य के साथ छोटे शहर की रूढ़ियों को चुनौती देती है। लुका छुपी में, उन्होंने लाइव-इन बातचीत को उलट दिया, एक ऐसी महिला की भूमिका निभाई जो आत्मविश्वास से अपनी प्रेम कहानी को आगे बढ़ाती है।

फिर मिमी आई, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। कमजोरी, उम्मीद और बदलाव की परतों वाली एक सरोगेट मां की भूमिका निभाते हुए, कृति के प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार और इंडस्ट्री में गहरा सम्मान दिलाया। उसके बाद उनका दायरा और भी बढ़ गया - भेड़िया में खौफनाक डॉ. अनिका, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में एक ूमनॉइड रोबोट, क्रू में एक भयंकर एयर होस्टेस और हाल ही में दो पत्ती में दोहरी भूमिकाएँ निभाकर उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और भावनात्मक गहराई को दर्शाया। कृति ने व्यावसायिक सफलता के साथ विषय-वस्तु को संतुलित करने की कला में महारत हासिल कर ली है - ऐसा कुछ जो लगातार बहुत कम लोग हासिल कर पाते हैं। अब, उनकी स्लेट इस बात का सबूत है कि वह सिर्फ.एक कलाकार नहीं हैं, बल्कि एक फ्रैंचाइज चेहरा हैं। रिपोर्ट के अनुसार अलग-अलग सीक्वल पहले से ही काम में हैं, और तेरी इश्क में उनका आगामी गहन परिवर्तन अपने देहाती लहजे और कृति के पहले कभी न देखे गए अवतार के लिए शुरूआती चर्चा पैदा कर रहा है। ऐसे दौर में जब महिला प्रधानों को आखिरकार गतिशील, साहसी और प्रभावशाली होने का मौका मिल रहा है, कृति सेनन एक अग्रणी के रूप में उभरी हैं।

रोहित-कोहली के बिना होगी मुश्किलः गंभीर

नई दिल्लीः भारतीय टीम के हैड कोच गौतम गंभीर ने माना है कि रोहित-विराट की गैर मौजूदगी टीम के लिए बड़ी चुनौती होगी, लेकिन यह युवाओं के पास खुद को साबित करने का शानदार मौका होगा। दोनों के जाने के बाद भारत को नए टेस्ट कप्तान की जरूरत भी होगी। इन दोनों की जगह लेना आसान नहीं होगा। रोहित-कोहली के संन्यास पर गंभीर ने कहा, मेरा मानना है कि आप कब खेलना शुरू करते हैं और कब खत्म करना चाहते हैं, यह व्यक्तिगत फैसला है। किसी और को हक नहीं है। कोच हो, चयनकर्ता या देश में कोई और, क्या किसी को किसी को भी यह बताने का अधिकार है कि उसे कब संन्यास लेना है और कब नहीं। यह खुद का फैसला होता है। गंभीर ने कहा, हम अपने दो सबसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना इंग्लैंड जाएंगे।

कई बार मुझे लगता है कि यह दूसरे खिलाड़ियों के पास अपनी उपयोगिता साबित करने का मौका भी है। यह कठिन होगा, लेकिन ऐसे खिलाड़ी होंगे, जो जिम्मेदारी लेने को तैयार होंगे। यह सवाल मुझे चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भी पूछा गया था। जब जसप्रीत बुमराह नहीं था, तब भी मैंने यही बात कही थी। किसी के नहीं होने से दूसरे खिलाड़ी को कुछ खास करने का मौका मिलता है। उम्मीद है कि ऐसे खिलाड़ी होंगे, जो इस मौके का इंतजार कर रहे होंगे।

दिल्ली से केरल तक बढ़ रहे कोविड केस, सरकार अलर्ट मोड पर

नई दिल्ली : देश में एक बार फिर कोविड-19 के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित गुजरात, हरियाणा, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों में नए संक्रमण के केस सामने आए हैं। इसे देखते हुए सरकारों ने सतर्कता बढ़ा दी है और नागरिकों को एहतियात बरतने की सलाह दी है।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने राजधानी के सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार तक दिल्ली में कोविड-19 के 23 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अधिकतर मामलों में लक्षण सामान्य फ्लू जैसे हैं।

सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि सभी अस्पताल कोविड-19 से निपटने के लिए बेड, ऑक्सीजन, दवाएं और वैक्सीन की पूरी उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसके अलावा वेंटिलेटर, बीआई-पीएपी, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और पीएसए इकाइयों को चालू हालत में रखा जाए।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सभी निजी और सरकारी अस्पतालों के मेडिकल सुपरिटेंडेंट्स के साथ बैठक की गई है, जिसमें कोविड-19 से निपटने की तैयारी के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कहा गया है कि पैनिक की कोई जरूरत नहीं है और सरकार लगातार मॉनिटरिंग कर रही है कि केस दिल्ली के हैं या बाहर से आए हैं।

दिल्ली सरकार ने सभी कोविड पॉजिटिव सैंपल्स को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए लोक नायक अस्पताल भेजने का आदेश दिया है। साथ ही दिल्ली स्टेट हेल्थ डेटा मैनेजमेंट पोर्टल पर रोजाना आंकड़ों की रिपोर्टिंग अनिवार्य कर दी गई है।

एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण (एसएआरआई) के मामलों की भी निगरानी करनी होगी और इन्हें इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म पर दर्ज किया जाएगा। कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा के सभी पुष्ट मामलों को एल-फॉर्म में अपलोड करने का निर्देश भी जारी किया गया है।

सरकार ने संकेत दिया है कि कोविड-19 की स्थिति पर नजर रखी जा रही है और जनता को समय-समय पर अपडेट दिया जाएगा। सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मास्क पहनें, हाथों की स्वच्छता बनाए रखें और किसी भी लक्षण के दिखने पर तुरंत जांच करवाएं।

भारत से रहम की भीख मांग रहा पाकिस्तानी सांसद सैयद अली

पानी नहीं मिला, तो भूखे मर जाएंगे

एजेंसी/ इस्लामाबाद: पाकिस्तान के तनाव के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। पानी रोके जाने के बाद से ही पाकिस्तान भारत के आगे गिड़गिड़ा रहा है। अब पाकिस्तान के सांसद ने भारत से पानी की भीख मांगते हुए कहा है कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो पाकिस्तान के लोग भूखे मर जाएंगे। पाकिस्तान में सेनेट सत्र के दौरान सीनेटर सैयद अली जफर ने कहा कि अगर हमने जल संकट का समाधान नहीं किया, तो हम भूख से मर जाएंगे। सिंधु बेसिन हमारी लाइफलाइन है। हमारा तीन चौथाई पानी देश के बाहर से आता हैं।

जफर ने कहा कि 10 में से 9 लोग अपने जिंदगी के लिए सिंधु के पानी पर निर्भर है। हमारी 90 फीसदी फसलें इसी पानी पर निर्भर हैं। हमारे सारे पावर प्रोजेक्ट और बांध भी इसी पर बने हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे ऊपर लटके पानी के बम की तरह है, जिसे हमें डिफ्यूज करना होगा।

भारत ने बढ़ाया एयरस्पेस बैन, पाकिस्तानी विमानों के लिए अब 23 जून तक पाबंदी

नई दिल्ली: पहलगाम हमले के बाद भारत- पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव चरम पर है। इस हमले का बदला भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए लिया। तनाव के माहौल में भारत ने पाकिस्तान के लिए अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया था। अब एक बार फिर इस पाबंदी को भारत ने एक और महीने के लिए बढ़ा दिया है। भारत ने इस बाबत नोटम भी जारी कर दिया है। नए नोटम के मुताबिक, यह 23 जून, 2025 तक प्रभावी रहेगा। वहीं, दूसरी ओर भारत की कार्रवाई से तिलमिलाए पाकिस्तान ने भी भारतीय उड़ानों के लिए अपनी हवाई क्षेत्र पाबंदी को एक और महीने तक बढ़ाने का फैसला लिया है। भारत ने पाकिस्तान की उड़ानों के लिए नोटम को एक महीने के लिए बढ़ा दिया है। यह 23 जून, 2025 तक प्रभावी रहेगा।

इस बाबत नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय हवाई क्षेत्र पाकिस्तान में पंजीकृत एसीएफटी और पाकिस्तानी एयरलाइनों/ऑपरेटरों द्वारा संचालित/स्वामित्व वाली या पट्टे पर ली गई एसीएफटी के लिए स्वीकृत नहीं है। इसमें सैन्य उड़ानें भी शामिल हैं। इससे पहले भारत ने 30 अप्रैल को बड़ा कदम उठाते हुए नोटम (नोटिस टू एयरमैन) जारी किया था। नोटम के तहत भारत ने 30 अप्रैल से 23 मई 2025 तक अपने एयरस्पेस को सभी पाकिस्तानी यात्री विमानों और सैन्य विमानों के लिए बंद कर दिया था। बता दें यह कदम तब उठाया गया है, जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान खौफ में है और दोनों देशों के बीच तनाव है।

यूएन में भारत ने पाक को दिखाया आईना

आतंकियों और नागरिकों में फर्क नहीं समझता पाकिस्तान,धार्मिक स्थलों को बनाया निशाना

नई दिल्ली : संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर कठघरे में खड़ा कर दिया है। नागरिकों की सुरक्षा पर हो रही इस महत्वपूर्ण चर्चा में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पुरी ने पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि जो देश आतंकियों और आम नागरिकों में फर्क नहीं करता, उसे नागरिकों की सुरक्षा पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

पुरी ने पाकिस्तान की पाखंडी बातों का तथ्यों के साथ जवाब देते हुए कहा कि भारत दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है। उन्होंने मुंबई के 26/11 हमलों से लेकर अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए निर्दोष पर्यटकों के नरसंहार तक का हवाला देते हुए कहा कि इन हमलों का निशाना हमेशा हमारे आम नागरिक रहे हैं।

हरीश पुरी ने खुलासा किया कि इसी महीने पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सीमा से सटे गांवों में जानबूझकर गोलाबारी की, जिसमें 20 से अधिक नागरिकों की मौत हुई और 80 से ज्यादा लोग घायल हुए। इसके अलावा गुरुद्वारों, मंदिरों, चर्चों और अस्पतालों को भी जानबूझकर निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा, ऐसी सेना और सरकार जो धार्मिक स्थलों और नागरिकों को निशाना बनाती हो, उसके लिए यह मंच उपदेश देने की जगह नहीं है।

भारत ने यह भी उजागर किया कि हाल ही में मारे गए आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में पाकिस्तान के सरकारी, पुलिस और सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी यह साबित करती है कि पाकिस्तान आतंकवाद और आम नागरिकों में कोई भेद नहीं करता।

अपने संबोधन के अंत में हरीश पुरी ने कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को अपनी राज्य नीति के तौर पर इस्तेमाल करता रहेगा, तब तक उसे किसी भी नैतिक या अंतरराष्ट्रीय विमर्श में भाग लेने का कोई अधिकार नहीं है। भारत ने साफ शब्दों में कहा कि आतंक को पालने वाले देशों को विश्व समुदाय में जिम्मेदारी का उपदेश देने का कोई हक नहीं है।

यह बयान अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की दृढ़ और तथ्यों पर आधारित नीति का परिचायक है, जो वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ उसकी जीरो टॉलरेंस की रणनीति को दर्शाता है।

फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के निर्माण स्थल पर मिट्टी ढहने से दो महिला मजदूरों की मौत, दो अन्य घायल

फरीदाबाद: ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर खुदाई के दौरान मिट्टी के ढेर के नीचे दबने से दो महिला मजदूरों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई जब रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार परियोजना के तहत बेसमेंट के लिए खुदाईका काम किया जा रहा था। उसने बताया कि मजदूरों का एक समूह मिट्टी हटाने के लिए गहराई में उतरा था तभी अचानक मिट्टी का एक बड़ा हिस्सा ढह गया, जिससे चार मजदूर दब गए।

घायलों को बाहर निकाल कर जिले के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां बिहार के लखीसराय जिले की निवासी नविता (32) और पश्चिम बंगाल की निवासी नंदिता (34) को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

झारखंड निवासी घायल काजल और गोविंदा का उपचार किया जा रहा है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सभी मजदूर निर्माण स्थल के पास ही रह रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) घटना की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक श्रमिकों द्वारा कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

उच्च न्यायालय ने एचपीपीसीएल के मुख्य अभियंता की रहस्यमय मौत की जांच सीबीआई को सौंपी

नई दिल्ली: हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (एचपीपीसीएल) के मुख्य अभियंता विमल नेगी की मौत की जांच सीबीआई को सौंपने का शुक्रवार को आदेश दिया।

विमल नेगी का शव 18 मार्च को एक झील में रहस्यमय परिस्थितियों में मिला था। न्यायमूर्ति अजय गोयल की एकल पीठ ने बुधवार को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

न्यायमूर्ति गोयल ने नेगी की पत्नी की याचिका स्वीकार कर ली और मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया। पीठ ने कहा, इस अदालत का यह सुविचारित मत है कि इस मामले में असाधारण स्थिति है, जिसके लिए मामले की जांच सीबीआई से कराने की आवश्यकता है, क्योंकि पुलिस महानिदेशक ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में जांच के तरीके और पद्धति पर गंभीर चिंताएं जताई हैं।

नेगी 10 मार्च को लापता हो गए थे और उनका शव 18 मार्च को मिला था। उनकी पत्नी ने आरोप लगाया कि पिछले छह महीनों से उनके वरिष्ठ अधिकारी उन्हें प्रताड़ित कर रहे थे और उनके साथ दुर्व्यवहार भी कर रहे थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके पति को बीमार होने के बावजूद देर रात तक काम करने के लिए मजबूर किया जाता था।

बुधवार को सुनवाई के दौरान डीजीपी अतुल वर्मा ने एसआईटी की जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। हालांकि महाधिवक्ता अनुप रतन ने एसआईटी जांच का बचाव करते हुए कहा कि यह बिना किसी पूर्वाग्रह के उचित तरीके से की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता (भाजपा) जयराम ठाकुर ने अदालत के इस आदेश का स्वागत किया।

मुजफ्फरपुर पटना फोरलेन पर अनियंत्रित कार ने 2 को रौंदा, मौके पर तोड़ा दम

पटना: बिहार के मुजफ्फरपुर पटना फोरलेन पर एक भीषण हादसा हो गया। दरअसल यहां कार से कुचल कर मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, इस घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना जिले के फकुली थाना क्षेत्र के रजला चौक की है। मृतकों की पहचान 26 वर्षीय सूरज गिरी और 25 वर्षीय अबोध गिरी के रूप में हुई है। जबकि 26 वर्षीय अन्नू कुमार घटना में बुरी तरह से घायल हो गया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात तीन युवक बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। इसी बीच एक अनियंत्रित कार ने बाइक सवार तीन युवकों को कुचल डाला। हादसा इतना भीषण था कि दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि एक युवक बुरी तरह से घायल हो गया। जख्मी युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉलर के आगे दहाड़ा रुपया, तीन दिन की गिरावट पर लगी ब्रेक, भरी उड़ान

नई दिल्ली: डॉलर सूचकांक में तेज गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में तेजी के बीच रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 70 पैसे की बढ़त के साथ 85.25 (अस्थाई) के स्तर पर बंद हुआ। इसके साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में तीन दिन से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पिछले तीन कारोबारी सत्रों में 53 पैसे की गिरावट के बाद रुपया शुक्रवार को महत्वपूर्ण बढ़त के साथ बंद हुआ। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख से रुपए पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में मामूली सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह 85.95 पर खुला और फिर इसने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.11 के ऊपरी स्तर तथा 86.10 के निचले स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में रुपया 85.25 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 70 पैसे अधिक है।

रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे की गिरावट के साथ 85.95 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, "हमें उम्मीद है कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख और जोखिम लेने की धारणा में सुधार के कारण रुपया सकारात्मक रुख के साथ कारोबार करेगा। हालांकि, विदेशी निवेशकों की ओर से बिकवाली के कारण तेजी की रफ्तार थम सकती है।"

चौधरी ने कहा कि कारोबारी अमेरिका में मकानों की बिक्री के आंकड़ों से संकेत ले सकते हैं। हाजिर बाजार में रुपए के 85 से 85.70 प्रति डॉलर के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.60 प्रतिशत गिरकर 99.36 पर था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.22 प्रतिशत गिरकर 64.30 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को शुद्ध रूप से 5,045.36 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

बालू विवाद में दो सगे भाई समेत 3 लोगों की गोली मारकर हत्या, मची चीख पुकार,6

पटना: बिहार में बक्सर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह आपसी विवाद को लेकर दो सगे भाई समेत तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई तथा दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रिपल मर्डर की इस वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

गिट्टी-बालू बेचने को लेकर हुआ था विवाद: पुलिस सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को अहियापुर गांव निवासी सुनील यादव (52) और उसके भाई विनोद यादव (48) का गांव के कुछ लोगों के साथ गिट्टी-बालू बेचने को लेकर विवाद हुआ था। शनिवार अहले सुबह नहर के समीप अपराधियों ने सुनील यादव और उनके परिवार पर हमला कर दिया। इस घटना में सुनील यादव, विनोद यादव और वीरेन्द्र यादव (65) की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गए। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए उत्तर प्रदेश के वाराणसी रेफर कर दिया गया।

इलाके की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान शुरू: घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) धीरज कुमार ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष को निर्देश देते हुए एक विशेष टीम का गठन कर घटना में शामिल आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस को शक है कि हमलावर अब भी आसपास ही छिपे हो सकते हैं। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुल से नीचे गिरने से बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर हुई दर्दनाक मौत

पोस्टमार्टम के बाद उक्त शव को उसके परिजनों को सौंप दिया गया

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित अल्बर्ट एक्का जारी प्रखण्ड स्थित परसा ग्राम के समक्ष अनियंत्रित बाइक पुल से नीचे गिरने के फलस्वरूप बाइक सवार चैनपुर एमएलए रोड़ निवासी 30 वर्षीय रोहित रॉय (पिता - अरुण रॉय) पैतृक गांव कस्तूरबा कॉलोनी बाजार समिति थाना बहादुरपुर पटना निवासी थे , रोहित अपने बाइक में सवार होकर बुधवार को डुमरी प्रखंड स्थित जरजट्टा ग्राम में चल रहे अपने कार्य को देखने जा रहें थे , इसी क्रम में उनका बाइक अल्बर्ट एक्का जारी प्रखण्ड स्थित परसा ग्राम के समक्ष बाइक अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई और घटनास्थल पर ही रोहित रॉय की दर्दनाक मौत हो गई, इस क्रम में मृतक के बड़े भाई ने बताया की रोहित रॉय से संपर्क स्थापित करने के लिए लगातार उसके मोबाइल पर संपर्क स्थापित करने के लिए फोन करते रहें परन्तु नेटवर्क ठीक से काम नहीं करने के कारण हम दोनों भाईयों के बीच संवाद स्थापित नहीं हो पाया और दुसरे दिन घटनास्थल क्षेत्र के आसपास के गांव के ग्रामीणों ने उक्त घटनास्थल पुल के नीचे उक्त शव को देखकर तत्काल, उक्त सड़क दुघर्टना की सूचना अल्बर्ट एक्का जारी थाना प्रभारी आदित्य कुमार को दी गई, सूचना मिलते ही अल्बर्ट एक्का जारी थाना प्रभारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुयें , उन्होंने अपने दलबल के साथ उक्त घाटनास्थल पर पहुंचकर मृतक रोहित रॉय के परिजनों को उक्त घटना की जानकारी दी और सूचना मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया, बाद में मृतक के बड़े भाई ने बताया की हम लोग रात भर लगातार फोन करते रहें, इसके बावजूद हम दोनों भाइयों के बीच बात नहीं हो सकीं, अगर रात्रि में उक्त सड़क दुघर्टना की सूचना मिल जाती तो छोटे भाई रोहित रॉय को बचाया जा सकता था, बाद में जारी थाना प्रभारी ने उक्त शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु गुमला सदर अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस भेजवाया गया जहां पोस्टमार्टम के बाद उक्त शव को उसके परिजनों को सौंप दिया गया हैं, पुलिस मामले की छानबीन शुरू कर दी हैं।

न्यूज ब्रीफ

चक्रधरपुर में मां संतोषी मंदिर भक्ति श्रद्धा और निष्ठा का स्थल है

ज्योति पाठक : 1975 में जय माँ संतोषी पिक्चर बनने के पश्चात जब यह रीलीज हुई तब अविभाजित बिहार के समय चक्रधरपुर का नाम पूरे सुर्खियों में रहा था इसकी प्रमुख वजह यह बताया जाता है कि इस फिल्म के वितरक चक्रधरपुर के ही केदारनाथ भूत थे।उनके ही परिश्रम और लगन से यह फिल्म खूब चली इसके पश्चात केदारनाथ भूत ने तंबाकू पट्टी में विस्तृत रूप से जगह की व्यवस्था करने के पश्चात माँ संतोषी का भव्य और आकर्षक मंदिर का निर्माण कराया जो भक्तों की श्रद्धा और निष्ठा का स्थल है। यह भक्ति फिल्म 30 लाख की लागत से बनी थी और इसने करोड़ों की आमदनी की। इस मंदिर के पुजारी प्रभाकर दूबे बताते हैं कि यूं तो प्रतिदिन इस मंदिर में भक्तजनों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है किन्तु शुक्रवार के दिन माँ संतोषी की विशेष पूजा अर्चना और कथा करने के पश्चात आरती की जाती है और भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण होता है।

चक्रधरपुर में पानी नदी नाला में नहीं बल्कि सड़क पर बहते हैं

कमल केसरी : पानी का जमाव या बहाव का दृश्य नदी, नाला और तालाब में देखा जाता है किन्तु चक्रधरपुर के लोग इस दृश्य को सड़क पर देखते हैं जी हाँ पानी के निकासी के समुचित व्यवस्था नहीं रहने के कारण सड़क में जलजमाव के बीच सड़क पार करना पड़ता। नगर परिषद सड़क और नाली निर्माण की बात तो करता है किन्तु जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने में अब तक विफल है इसी का यह परिणाम है कि सड़को पर जलजमाव बना रहता है किन्तु इस ओर नगर परिषद का ध्यान कदापि नहीं है जिससे लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

अनुमंडल पदाधिकारी ने किया डुमरी प्रखंड का निरीक्षण

गुमला : गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निदेर्शानुसार अनुमंडल पदाधिकारी चैनपुर पूर्णिमा कुमारी द्वारा डुमरी प्रखंड में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं का स्थल भ्रमण कर उनके धरातलीय क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने अबुआ आवास योजना, आंगनबाड़ी केंद्र, बिरसा हरित ग्राम योजना, मनरेगा के तहत संचालित कूप निर्माण कार्य, जन वितरण प्रणाली, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पशुपालन, आपूर्ति तथा राजस्व जैसे विभागों से संबंधित योजनाओं का निरीक्षण किया। स्थलीय निरीक्षण के पश्चात प्रखंड कार्यालय डुमरी में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीओ ने योजनाओं की प्रगति, शेष कार्यों की स्थिति एवं उनके निष्पादन में आ रही समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाए तथा कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। अबुआ आवास योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन आवासों की प्रगति संतोषजनक पाई गई, जबकि शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण में बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई गई और बेहतर पोषण सुनिश्चित करने के लिए खिचड़ी में दाल की मात्रा बढ़ाने की बात कही गई। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों की समीक्षा करते हुए एसडीओ ने एंटी स्नेक वेनम की उपलब्धता, ममता वाहन का पंजीकरण और एंबुलेंस की संख्या बढ़ाने हेतु त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जन वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न के वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए शतप्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया। शिक्षा विभाग से संबंधित समीक्षा में विद्यालय भवनों की जर्जर स्थिति पर संज्ञान लेते हुए मरम्मति या स्थानांतरण के निर्देश दिए गए। पशुपालन से संबंधित जानकारी में यह बताया गया कि राज्य स्तर से लक्ष्यों की प्राप्ति न होने के बावजूद जरूरतमंद लाभुकों को पशुधन उपलब्ध कराने की पहल की जा रही है। अनुमंडल पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं को धरातल पर ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए ताकि सरकारी प्रयासों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

आदिवासी बहुल क्षेत्र में शराब दुकान खोलने का विरोध करेगा जदयू

जमशेदपुर : जनता दल (यूनाइटेड) अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रकाश कोया ने झारखंड सरकार के (ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल) टीएसी की बैठक में सीएम हेमंत सोरेन एवं टीएसी के सदस्यों की सहमति से लिए गए निर्णय की आदिवासी बहुल क्षेत्र में ग्राम प्रधान की मंजूरी के उपरांत शराब दुकान खोले जाएंगे का कड़ा विरोध दर्ज किया है। कोया ने जारी बयान में कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी बहुल इलाकों में शराब दुकान खोलने का निर्णय पूर्णतः गलत, शर्मनाक एवं अस्वीकार्य है.

ब्राह्मण महासंघ के प्रतिनिधि झालदा में शहीद परिवार से मिले

बिनय मिश्रा

रांची : पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवान मनीष रंजन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल उनके शोक संतृप्त परिवार से झालदा स्थित आवास (पश्चिम बंगाल)में मिला।

इस महासंघ के प्रतिनिधि दल का नेतृत्व महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने किया। प्रतिनिधि मंडल की इस यात्रा में सिर्फ सांत्वना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक कर्तव्य की अभिव्यक्ति थी। शहीद मनीष रंजन के पिता और भाई विनीत रंजन से भेंट कर दल ने अपनी संवेदना प्रकट की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने कहा कि शहीद मनीष रंजन केवल परिवार नहीं, संपूर्ण ब्राह्मण समाज और राष्ट्र का गौरव हैं। उनके बलिदान को ब्राह्मण समाज स्मृति में चिरस्थायी बनाएगा।₹

ब्राह्मण महासंघ के प्रतिनिधिमंडल में

राष्ट्रीय महासचिव आचार्य कृष्ण, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा,

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यज्ञान एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

ब्राह्मण महासंघ की इस पहल ने यह संदेश स्पष्ट किया कि₹धर्म, जाति या क्षेत्र से परे, राष्ट्रभक्ति ही सबसे बड़ी आस्था है। और जब कोई ब्राह्मण पुत्र राष्ट्र के लिए अपने प्राण अर्पण करता है, तो उसकी पीड़ा केवल एक परिवार की नहीं, पूरे समाज की पीड़ा बन

जाती है।

दीपक उपाध्याय का यह संवेदनात्मक नेतृत्व आने वाले समय में ब्राह्मण समाज को सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने का कार्य कर रहा है।

उनकी उपस्थिति ने शोक की घड़ी में एक आध्यात्मिक संबल का कार्य किया, जिसमें न केवल सांत्वना थी, बल्कि समाज के प्रति जवाबदेही और कर्तव्यबोध का संदेश भी निहित था। ₹शहीदों की स्मृति में खड़े समाज ही जीवित समाज होते हैं और दीपक उपाध्याय आज उस चेतना के प्रतिनिधि हैं।

ग्रीष्मावकाश में शिक्षा को रचनात्मकता से जोड़ने की पहल

जिले में समर कैंप का आयोजन

गुमला : गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निदेर्शानुसार शिक्षा कर भेंटह्व गतिविधि के अंतर्गत ग्रीष्मावकाश अवधि में सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के लिए जिले के सभी प्रखंडों में विभिन्न स्थलों पर निःशुल्क समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इन समर कैंप का उद्देश्य बच्चों के रचनात्मक कौशल को बढ़ावा देना तथा अवकाश काल को उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बनाना है।

इसी क्रम में आज झारखंड शिक्षा परियोजना गुमला की अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (एडीपीओ) ज्योति खलखो द्वारा रायडीह प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय महुआटोली में आयोजित समर कैंप का दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

खलखो ने बताया कि उपायुक्त गुमला के मार्गदर्शन में जिले में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए नवाचारी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के समन्वय से जिले के सभी बीआरसी एवं सीआरसी केंद्रों पर समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ खेल, कला, हैंडक्राफ्ट, संगीत आदि गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की बहुआयामी प्रतिभा को विकसित किया जा रहा है।

समर कैंप के संचालन में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, पीरामल फाउंडेशन, प्रथम एजुकेशन तथा टाटा सिन्नी की अहम भूमिका है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा विभिन्न संकुल संसाधन केंद्रों में दो दिवसीय गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं, जबकि पीरामल फाउंडेशन द्वारा पंचायत स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से समर कैंप आयोजित किए जा रहे हैं।

शिक्षा कर भेंट के सहायक नोडल पदाधिकारी दिलदार सिंह ने बताया कि समर कैंप में बच्चों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

इस पहल को सफल बनाने में जिला शिक्षा पदाधिकारी कविता खलखो, जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां, एडीपीओ ज्योति खलखो, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से सोनालिका एवं आशुतोष, पीरामल फाउंडेशन से प्रमोद जायसवाल, तथा सभी बीआरसी के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी झ चंद्रशेखर शहदेव, अभिजीत, तपेश्वर साहू, एंजलीना मिंज, पुष्पा लकड़ा, नीरज कुमार, सरफराज आदि सक्रिय रूप से शामिल हैं।

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि समर कैंप को गुणवत्तापूर्ण, बाल केंद्रित एवं आनंददायक बनाया जाए, ताकि यह बच्चे बेहतर सिख सकें।

झारखंड में भ्रष्टाचार चरम पर,आईएएएस अफसर फंस रहे : बाबूलाल

मेट्रो रेज संवाददाता

धनबाद : झारखंड में कोयला,बालू के बाद शराब में भी बड़ा घोटाला है। भ्रष्टाचार चरम पर है। एक-एक कर आईएएस अफसर फंसते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भी जेल जा चुके हैं। यह बात शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने धनबाद परिसदन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। बाबूलाल बोले कि शराब घोटाले में एसीबी ने आइएएस अधिकारी व पूर्व उत्पाद सचिव विनय चौबे की गिरफ्तारी की है। यह गंभीर मामला है। मुख्यमंत्री सीबीआई जांच कराएं। सीबीआई जांच से क्यों डर रहे हैं। झारखंड में शराब घोटाला बड़ा है। सिर्फ एसीबी की कार्रवाई भर से लीपापोती नहीं होनी चाहिए। बड़े दोषियों को छिपाने के लिए विभाग के कुछ अधिकारियों की गिरफ्तारी कर लीपापोती करने की कोशिश हो रही है।

बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के डीजीपी को लेकर भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को निशाने पर लिया। कहा कि डीजीपी को मुख्यमंत्री क्यों पद पर रखे हुए हैं। डीजीपी को अविलंब हटाया जाना चाहिए। डीजीपी नियमविरुद्ध पद पर बने हुए हैं। मरांडी बोले कि झारखंड में विकास के कार्य ठप हैं। जनता परेशान है। आयोग आदि के कई पद खाली हैं। जनता शिकायत करे तो कहां करे। अपराध की घटनाएं बढ़ी है। बाबूलाल मरांडी शुक्रवार देर शाम धनबाद पहुंचे। शनिवार को अंबेडकर स्कूल ऑफ मार्शल ऑर्ट की ओर से आयोजित अखंड कीर्तन कार्यक्रम में शामिल होंगे। मौके पर महानगर अध्यक्ष सरवन राय, महामंत्री मानस प्रसून, भाजयुमो के अध्यक्ष नित्यानंद मंउल सहित कई भाजपा कार्यकताओं ने बाबूलाल मरांडी का स्वागत किया।

जिला जज ने किया मंडल कारा का निरीक्षण, बंदियों ने की खाने की शिकायत

धनबाद : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी शुक्रवार को न्यायिक पदाधिकारी के साथ धनबाद मंडल कारा का निरीक्षण किया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार एवं झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर जिला जज का रूटीन जेल का निरीक्षण था। जिला जज के साथ मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला ,अवर न्यायायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो, सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार इशाक जिया खान व लीगल डिफेंस काउंसिल की टीम के सद्सय मौजूद थे। जेल में कुल 652 बंदी मिले जिसमे 68 दोष सिद्ध व 584 विचाराधीन बंदी मिले। जिसमें 27 महिला बंदी थी। न्यायाधीश ने कारागार के प्रत्येक बैरक में पहुंचकर बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली।

विशुनपुर में वीडीवीके शेरका से पीवीटीजी परिवार हो रहे हैं आत्मनिर्भर

मेट्रो रेज संवददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निदेर्शानुसार जिले में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के सर्वांगीण विकास हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य न केवल इन समुदायों की आजीविका को स्थायी बनाना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर मुख्यधारा से जोड़ना भी है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री वन धन योजना के अंतर्गत वर्ष 2019 में विशुनपुर प्रखंड में स्थापित वन धन विकास केंद्र शेरका जिले में एक सफल मॉडल के रूप में सामने आया है।

परियोजना का उद्देश्य

विशुनपुर प्रखंड, जो वन आधारित संसाधनों से समृद्ध है, वहां के पीवीटीजी समुदाय जैसे बृजिया हो , असुर, कोरवा और बिरहोर जनजाति समुदाय के लोग लंबे समय से जंगल उत्पादों पर निर्भर हैं, परंतु सीमित बाजार , पहुँच और संसाधनों की कमी के कारण उन्हें उचित लाभ नहीं मिल पाता था कितना मिलना चाहिए था । इन परिस्थितियों को देखते हुए वीडीवीके शेरका की स्थापना की गई। इसे ट्रीफाइड के माध्यम से ? 15 लाख की सहायता से प्रारंभ किया गया, जिसमें प्रसंस्करण इकाइयों, संग्रहण सुविधाओं, ब्रांडिंग सामग्री और टूल किट की व्यवस्था की गई।

संचालन एवं लाभार्थी

इस केंद्र का संचालन 15 स्वयं सहायता समूहों द्वारा किया जा रहा है, जिनमें कुल 300 सदस्य शामिल हैं। इनका बहुलांश पीजीवीटी समुदायों से है और इनमें 70% से अधिक महिलाएं सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

उत्पाद निर्माण एवं मूल्य संवर्धन

वीडीवीके शेरका में वनों से एकत्र महुआ, इमली, करंज , केन्द , चिरौंजी , सखुवा का दातुन - पत्ता , करंज , महुआ, आदि का वैज्ञानिक तरीके से संग्रहण कर मूल्य संवर्धन किया जाता है। तैयार किए गए उत्पादों में प्रमुख रूप से महुआ लड्डू, महुआ अचार, इमली का पाउच पैक, करंज तेल आदि शामिल हैं। इन उत्पादों की बिक्री झारखंड राज्य सहकारी वनोपज महासंघ के माध्यम से की जाती है, जिससे विपणन की समस्या दूर हुई है और सदस्यों को नियमित आय मिल रही है।

प्रशिक्षण एवं संसाधन वितरण

श्रश्रड से जुड़े सभी सदस्यों को 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से संग्रहण, स्वच्छ प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण, ब्रांडिंग और बाजार से जोड़ने की जानकारी दी गई। प्रत्येक सदस्य को टूल किट (जैसे संग्रहण बैग, प्रसंस्करण उपकरण) भी प्रदान किया गया है।

आर्थिक एवं सामाजिक प्रभाव

इस पहल के माध्यम से प्रत्येक सदस्य औसतन ?8,000 से ?12,000 प्रतिमाह की आय अर्जित कर रहा है। यह आमदनी न केवल उनके परिवार के भरण-पोषण में सहायक हो रही है, बल्कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बेहतर आवास के लिए भी उपयोग हो रही है।

प्रेरणादायी कहानी झ बसंती देवी

इस परियोजना की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि है बसंती देवी की सफलता, जो कोरवा समुदाय से हैं और पहले दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर थीं। वर्ष 2019 में श्रश्रड से जुड़ने के बाद उन्होंने महुआ प्रसंस्करण में प्रशिक्षण लिया और अब ?10,000-?12,000 प्रतिमाह की नियमित आय प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने अपने गांव की 15 अन्य महिलाओं को प्रशिक्षित कर नए रलऋबनाने में मदद की है। उनका कहना है, ₹श्रश्रड रएफ्छअ ने मुझे आत्मविश्वास और आमदनी दी। अब मेरा सपना है कि हमारे उत्पाद बड़े बाजारों में भी पहुंचें।

महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है, बल्कि उनके अंदर नेतृत्व क्षमता भी विकसित हुई है। परियोजना की सफलता को देखते हुए आसपास के क्षेत्रों में 5 नए रलऋगठित किए गए हैं।

बाजार विस्तार एवं स्थायी विकास

वीडीवीके शेरका के उत्पादों की बिक्री अब न केवल गुमला में, बल्कि रांची और अन्य जिलों में भी हो रही है। 30% बिक्री बाहरी बाजारों से हो रही है, जिससे आदिवासी उत्पादों को एक नई पहचान मिल रही है। इसके साथ-साथ प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सतत वन उपयोग एवं जैव विविधता संरक्षण पर भी विशेष बल दिया गया है।